राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 02 जून 2023 वर्ष–6,अंक–128 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन और पाकिस्तान को जवाब देने के लिए भारत तैयार, वायुसेना ने किया शक्ति प्रदर्शन

नई दिल्ली। चीन और पाकिस्तान की ओर से लगातार भारत को चुनौतियां मिल रही हैं। इसको लेकर भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने हिंद महासागर क्षेत्र में अभ्यास मिशन चलाया है। यह मिशन लगभग छह घंटों तक चला, जिसमें भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान राफेल ने दुश्मनों के जेट को मार गिराने का अभ्यास किया।

अभ्यास मिशन के जरिए किया गया शक्ति प्रदर्शन

अभ्यास मिशन में शामिल एक अधिकारी ने कहा, अत्याधुनिक राफेल को IL-78 टैंकरों द्वारा हासीमारा (एयरबेस) में उनकी वापसी के दौरान हवा के बीच ही ईंधन भरा। इस मिशन के जरिए भारतीय वायु सेना ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया और इसमें दिखाया गया है कि वह लंबी दूरी से भी अपने दुश्मनों पर हमले करने की क्षमता रखता है।

दुनिया के सबसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों में शामिल राफेल

मिशन ने IAF की शक्ति को प्रदर्शित करने और IAF ने सितंबर 2016 में फ्रांस के साथ हुए 59,000 करोड़ रुपये के सौदे के तहत हासीमारा और अंबाला में अपने 36 राफेल को शामिल किया है। हासीमारा सिक्किम-भूटान-चीन ट्राई-जंक्शन के करीब है। आपको बता दें, राफेल दुनिया के सबसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों में से एक है और इसने भारतीय वायु सेना की ताकत को भी बढ़ाया है।

हिंद महासागर क्षेत्र की ओर बढ़ रहा चीन-दरअसल, इस समय इस मिशन अभ्यास की आवश्यकता इसलिए पड़ी है, क्योंकि चीन के पास पहले से ही 355 युद्धपोतों और पनडुब्बियों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना है और यह हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति लगातार बढ़ाता नजर आ रहा है। चीन अब किसी भी समय आईओआर में सात से आठ नौसैनिक जहाजों और जासूसी जहाजों को तैनात कर सकता है।

मणिपुर हिंसा की जांच करेगा न्यायिक आयोग, सीबीआई भी खंगालेगी केस

अमित शाह ने किए बड़े ऐलान

इंफाल। मणिपुर हिंसा को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि इसकी जांच के लिए हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग बनाया जाएगा। 3 मई से शुरू हुई इस हिंसा में अब तक 80 लोगों की जान जा चुकी है। गृह मंत्री बीते तीन दिनों से मणिपुर में हैं। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए भी बड़े ऐलान किए हैं। शाह ने कहा कि मृतकों के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा और एक शख्स को सरकारी नौकरी दी जाएगी। पांच लाख रुपये केंद्र सरकार की तरफ से और पांच लाख राज्य सरकार की तरफ से दिए जाएंगे। अपने दौरे के आखिरी दिन शाह ने कहा, रिटायर्ड जस्टिस की अध्यक्षता वाला एक न्यायिक आयोग हिंसा की जांच करेगा। पता लगाया जाएगा कि इस हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार है। भारत सरकार यह जांच करवाएगी। उन्होंने कहा कि मणिपुर की राज्यपाल की

अध्यक्षता में शांति समिति बनाई गई है जिसमें कारोबारी, खिलाड़ी, राजनीतिक दलों के प्तिनिधि, सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि शामिल हैं। ये राज्य में शांति बहाल करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि 6 मामलों में सीबीआई भी जांच करेगी। अब तक पांच केस दर्ज हो चुके हैं। गृह मंत्री ने कहा, मैं मणिपुर के लोगों को आश्वासन देना चाहता हूं कि बिना किसी पक्षपात के जांच की जाएगी और हिंसा के पीछे की असली वजह पता की जाएगी। जो लोग भी जिम्मेदार होंगे उनपर कड़ी कार्रवाई होगी ताकि भविष्य में इस तरह की हिंसा ना हो।

उन्होंने कहा कि राज्य को 30 हजार मीट्रिक टन चावल दिया जाएगा। इसके अलावा डॉक्टरों की आठ टीमें भेजी जाएंगी जो कि मोरेह, चुराचांदपुर और कांगपोकपी इलाकों में काम करेंगी। तीन टीमें पहले ही पहुंच चुकी हैं और बाकी आने वाली हैं। इसके अलावा राज्य में 15 पेट्रोल पंप ऐसे रहेंगे जो कि 24 घंटे सेवा देंगे। ट्रेनों से सप्लाई तेज करने के लिए अस्थाई प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे।

मायावती ने राजस्थान में सौ यूनिट फ्री बिजली की घोषणा को बताया छलावा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी(बसपा) की प्रमुख मायावती ने राजस्थान में कांग्रेस द्वारा सौ यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा को छलावा बताया है. इसके साथ ही उन्होंने भाजपा को भी घेरते हुए कहा है कि चुनाव नजदीक आते ही ये पार्टियां अनेकों प्रलोभनों व भ्रामक विज्ञापनों आदि छलावे का सहारा ले रही हैं. गुरुवार को मायावती ने दो ट्वीट किये. पहले ट्वीट में उन्होंने लिखा,'राजस्थान में विधानसभा आमचुनाव के नजदीक आते ही वहां की कांग्रेस सरकार द्वारा 500 रूपये में रसोई गैस व 100 यूनिट फ्री बिजली देने आदि की घोषणा स्पष्टतः चुनावी छलावा नहीं तो और क्या है? जबकि बढ़ती महंगाई के मद्देनजर इनको ये कार्य सरकार बनने के प्रारंभ में पांच साल पहले कर देना चाहिए था.' वहीं दूसरे ट्वीट में लिखा, 'राजस्थान की तरह ही जनहित व जनकल्याण कार्यों में विफल रही छत्तीसगढ़ की कांग्रेस, मध्य प्रदेश की भाजपा व तेलंगाना की बीआरएस सरकार विधानसभा चुनाव के नजदीक अपनी सरकार को बचाने के लिए अनेकों प्रलोभनों व भ्रामक विज्ञापनों आदि के छलावे का सहारा ले रही हैं, जबकि जनता इनसे ऊब चुकी है. उपरोक्त चारों राज्यों की जनता ने इन पार्टियों की सरकार को, चुनावी वादे के मुताबिक, महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ापन आदि दूर करने एवं राज्य का आपेक्षित विकास करने का भरपूर मौका दिया, किन्तु इन पार्टियों की सरकारों ने जनता के हित की अनदेखी की व उनके साथ विश्वासघात किया.'

अगले वर्ष से एक जून को भोपाल में शासकीय अवकाश : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भोपाल गौरव दिवस की सभी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए अगले वर्ष से एक जून को भोपाल में शासकीय अवकाश रहने की घोषणा की।

श्री चौहान ने यहां भोपाल गौरव दिवस के अवसर पर भोपाल गेट पर ध्वजारोहण किया एवं शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में निरंतर कार्य करने वाले मेहनतकश सफाईकर्मियों का सम्मान किया।

इसी दौरान उन्होंने अगले वर्ष से एक जून, भोपाल विलीनीकरण दिवस के दिन भोपाल में शासकीय अवकाश की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर रखने का संकल्प लेते हैं। भोपाल गौरव दिवस पर हमें

मास्टर लाल सिंह, बालकृष्ण गुप्ता, प्रो अक्षय कुमार जैन और डॉ शंकर दयाल शर्मा, जैसी विभूतियां याद आती हैं, जिन्होंने भोपाल के विलीनीकरण की लड़ाई लड़ी।

इस अवसर पर उन्होंने अपने ट्वीट में सभी को भोपाल विलीनीकरण दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के दो साल बाद 1 जून 1949 को भोपाल भारत का अभिन्न अंग बना। इस गौरवपूर्ण घड़ी को प्राप्त करने में असंख्य लोगों ने बलिदान दिया।

चीन ने मस्जिद भी गिराई और अब विरोध करने वालों पर शिकंजा; 6 जून तक का दिया वक्त

नई दिल्ली। चीन ने अपने दक्षिण पश्चिम प्रांत युन्ना में 13वीं सदी में बनी ऐतिहासिक मस्जिद को गिरा दिया है। इस मस्जिद को गिराने की कार्रवाई का स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने तीखा विरोध भी किया था, लेकिन उन्हें सैकड़ों की संख्या में मौजूद पुलिसकर्मियों ने रोक दिया। युन्नान के नागु शहर में बनी इस मस्जिद की एक गुंबद और 4 मीनारों को जमींदोज किया गया है। चीनी प्रशासन का कहना था कि इनका निर्माण अवैध तौर पर किया गया है। 10 हजार वर्ग फुट में बनी इस मस्जिद की ऐतिहासिकता से समझा जा सकता है कि मुस्लिम समुदाय में इसे गिराने को लेकर गुस्सा क्यों है। हालांकि चीन सरकार यहीं पर रुकने वाली नहीं है। युन्नान प्रांत के प्रशासन ने मस्जिद गिराने की कार्रवाई को रोकने की कोशिश करने वालों को दंगाई माना है। यही नहीं प्रशासन ने इन लोगों से कहा कि इन पर सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। यदि ये लोग खुद ही 6 जून तक सरेंडर कर देते हैं तो फिर ऐक्शन नहीं लेंगे अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। युन्नान प्रांत में बड़ी संख्या में हुई मुस्लिम समुदाय के लोग रहते हैं। ये लोग उइगुर मुस्लिमों से थोड़ा अलग हैं। दरअसल चीन की कम्युनिस्ट सरकार का धार्मिक संगठनों को

लेकर सख्त रुख रहा है और वह उन्हें खुलकर धर्म का प्रचार करने की अनुमति देने की हिमायती नहीं रही है। मस्जिद गिराने की कार्रवाई का विरोध करने वाली सोशल मीडिया पोस्ट्स को भी चीन सरकार ने हटवा दिया है। स्थानीय प्रशासन की ओर से एक नोटिस जारी किया गया है, जिसमें कहा गया कि सरकारी कार्रवाई को रोकने वाले लोगों को दंगाई माना जाएगा। उनकी हरकतों को सरकार क्रिमिनल ऐक्ट मानती है और उसके तहत ही कार्रवाई की जाएगी। नोटिस में कहा गया है कि जो लोग 6 जून तक सरेंडर कर देंगे, उन पर कुछ नरमी बरती जा सकती है। इस घटना के बाद पुलिस ने बड़ी संख्या में लोगों को अरेस्ट किया है। बड़ी संख्या में अब भी इलाके में चीन की पुलिस तैनात है। एक दशक पहले चीन की सत्ता पर शी जिनपिंग काबिज हुए थे। पहले से ही कम्युनिस्ट सत्ता वाले चीन में जिनपिंग के दौर में मुस्लिमों समेत अल्पसंख्यकों पर सख्ती बढ़ी है। चीन सरकार का दावा रहा है कि वह अतिवाद और आतंकवाद से बचाव के लिए सख्ती बरतती है। यही नहीं मस्जिदों समेत तमाम धार्मिक इमारतों के निर्माण को लेकर भी चीन सरकार कहती है कि उन्हें स्थानीय शैली में ही बनाया जाए। बता दें कि चीन में करीब 10 लाख उइगुर मुस्लिम हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में हुई मुसलमान भी बसे हुए हैं।

बीएसएफ ने सांबा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने गुरुवार सुबह जम्मू के सांबा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। यह जानकारी बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने दी।

प्रवक्ता ने कहा, आज सुबह बीएसएफ के जवानों को सांबा इलाके में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से आ रहे एक व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दी। उन्होंने कहा कि उस घुसपैठिए को बीएसएफ के जवानों ने चुनौती दी लेकिन वह सीमा पर लगे बाड़ की ओर बढ़ता रहा।

प्रवक्ता ने कहा कि इसके बाद सैनिकों ने उसपर गोली चलाई और उसे मार गिराया। उन्होंने कहा कि उनके पास से कोई हथियार या नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ और मामले की जांच चल रही है।

दिल्ली पर मौसम मेहरबान, 36 साल बाद इतना कूल-कूल रहा मई

नई दिल्ली। दिल्ली में इस बार मई में मौसम की मेहरबानी कुछ ज्यादा रही है, क्योंकि इस बार सामान्य 250 फीसदी यानी तीन गुना से भी ज्यादा बारिश हुई है। पिछले एक महीने में थोड़े-थोड़े अंतराल पर आने वाले कई पश्चिमी विक्षोभों ने दिल्ली को प्रभावित किया, परिणामस्वरूप 1987 के बाद इस साल मई का महीना सबसे ठंडा रहा। मौसम विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार मई का औसत अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री दर्ज किया गया। 1987 में, मई का औसत अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस था। आईएमडी वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, 1987 के बाद दिल्ली में इस साल मई में

सबसे कम तापमान देखा गया। औसत मासिक न्यूनतम तापमान कम से कम 12 साल में सबसे कम है। हालांकि 2011 से पहले का डेटा आसानी से उपलब्ध नहीं है। महीने के पहले और दूसरे महीने की शुरुआत पश्चिमी विक्षोभ से हुई। इसके बाद तीसरे और अंत में भी इसका असर देखने को मिला। प्रत्येक अवधि में लगभग 50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलीं। यदि बहुत अधिक बारिश नहीं हुई, तब भी बादल छाए रहे। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि मई में दिल्ली के सफदरजंग मौसम केंद्र में 111 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 262 फीसदी ज्यादा है। सफदरजंग में मई में सामान्य तौर पर 30.7 मिलीमीटर बारिश होती है। सामान्य से आठ डिग्री नीचे रहा पारा बारिश और तेज हवा के चलते दिल्ली के लोगों को गर्मी से राहत मिली है। बुधवार को दिल्ली के सफदरजंग मौसम केंद्र में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से आठ डिग्री कम है। वहीं, न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से छह डिग्री कम है। दिल्ली के रिज मौसम केंद्र में सुबह सबसे ज्यादा सुहानी रही।

3 जून से मुंबई-गोवा रूट पर चल सकती है वंदे भारत एक्सप्रेस

मुंबई। भारत की 19वीं, महाराष्ट्र की पांचवीं और मुंबई की चौथी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन गोवा और मुंबई के बीच 3 जून से चल सकती। 2 जून को इसका औपचारिक उद्घाटन होने की संभावना है। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने मडगांव के लिए आठ डिब्बों वाली ट्रेन पहले ही भेज दी है। अधिकारियों ने कहा कि यह ट्रेन उसी रूट पर चलने वाली तेजस एक्सप्रेस से कम समय लेगी। फिलहाल इसमें आठ कोच लगे हैं। बाद में मांग को देखते हुए इसमें बदलाव किए जाएंगे। आपको बता दें कि दो हफ्ता पहले इसका ट्रायल रन किया गया। इस दौरान यह ट्रेन मुंबई में सीएसएमटी के प्लेटफॉर्म नंबर 7 से सुबह 5ः30 बजे रवाना हुई और दोपहर 12.50 बजे गोवा के मडगांव स्टेशन पहुंची। इसकी समय सारिणी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। फिलहाल वंदे भारत एक्सप्रेस मुंबई-गांधीनगर, मुंबई-सोलापुर, मुंबई-साईनगर शिर्डी और नागपुर-बिलासपुर रूट पर चल रही हैं। महाराष्ट्र को पहली वंदे भारत ट्रेन 30 सितंबर 2022 को मिली, जो मुंबई और गांधीनगर के बीच चलती है। वहीं, 10 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई से सोलापुर और मुंबई से साईनगर शिरडी तक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को झंडी दिखाकर रवाना किया था।

मुंबई-गोवा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की गति पर प्रतिबंध लग सकता है। कोंकण क्षेत्र में मानसून को देखते हुए ऐसा किया जा सकता है। ट्रेन को 586 किमी की दूरी तय करने में सात घंटे 50 मिनट का समय लगेगा।

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा

कि यह छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और गोवा के मडगांव स्टेशन के बीच शुक्रवार को छोड़कर सभी दिन चलेगी। मुंबई-गोवा वंदे भारत एक्सप्रेस के रूट पर 10 स्टेशन होंगे। यह छ्टस्म्ज्ञ से चलकर दादर, ठाणे, पनवेल, रोहा, खेड़, रत्नागिरी, कंकावली, थिविम और मडगांव में रुकेगी। शुक्रवार को इस ट्रेन का मेंटेनेंस होगा।

ट्रेन का पहला ट्रायल रन 17 मई को हुआ था। अधिकारियों का कहना है कि इस वंदे भारत ट्रेन में यात्रियों की संख्या भी अच्छी होगी क्योंकि गोवा के पर्यटन स्थल होने के कारण इस मार्ग में साल भर भारी भीड़ देखी जाती है।

कोंकण रेलवे रूट पर फिलहाल रोजाना चालीस जोड़ी ट्रेनें चलती हैं। मुंबई से पहले से ही तीन वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही हैं। मुंबई से शिर्डी, मुंबई से सोलापुर और मुंबई से गांधीनगर। इन तीनों ट्रेनों में 70 फीसदी ऑक्यूपेंसी है। आगामी मुंबई-गोवा ट्रेन मुंबई से चौथी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन होगी।

महाराष्ट को पहली वंदे भारत ट्रेन 30 सितंबर 2022 को मिली, जो मुंबई और गांधीनगर के बीच चलती है। वहीं, 10 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई से सोलापुर और मुंबई से साईनगर शिरडी तक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को झंडी दिखाकर रवाना किया था।

संपादकीय

शांति के लिए किए जा रहे प्रयास

आंतरिक जटिलताओं में फंसे मणिपुर में शांति के लिए किए जा रहे प्रयास जितने आवश्यक हैं, उतने ही सराहनीय भी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर के दौरे पर हैं और उनके क्रिया-कलाप से केंद्र और राज्य सरकार की गंभीरता का सहज ही एहसास हो जाता है। शांति बहाल करने के लिए अनेक फैसले लिए गए हैं और आने वाले दिनों में भी सरकारों को हर मुमकिन फैसले के लिए तैयार रहना चाहिए। मणिपुर में जल्द से जल्द शांति बहाल हो और स्थानीय समाजों में स्वाभाविक समन्वय फिर पैदा हो, इससे बेहतर और क्या हो सकता है? परस्पर सहमति से जो फैसले लिए गए हैं, उन्हें तत्काल लागू करना चाहिए, ताकि जमीनी स्तर पर लोगों में संतोष और सुरक्षा भाव की वापसी हो। मणिपुर में 3 मई से ही कर्फ्यू की स्थिति है और इंटरनेट सेवा भी बाधित है, इससे लोगों को निस्संदेह परेशानी हो रही होगी, सामान्य सुविधाओं की बहाली बहुत जरूरी है। गौर करने की बात है कि शांति की तलाश में केंद्रीय गृह मंत्री दस से ज्यादा प्रतिनिधिमंडल से मिल चुके हैं। मैतेई और कूकी, दोनों ही समुदायों के प्रतिनिधिमंडल मिलकर अपनी बात रख चुके हैं। कुकी नेताओं ने हिंसा की सीबीआई जांच के लिए कहा है, तो यह भी स्वागतयोग्य है। हिंसा शुरू करने वाले और फैलाने वाले तत्वों की पहचान बहुत जरूरी है।

मणिपुर में कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करना, राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाना, जातीय संघर्ष में मारे गए लोगों के आश्रितों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का फैसला कारगर हो सकता है। पीड़ितों के साथ सरकारों को खड़े हो जाना चाहिए और असामाजिक तत्वों को सबक सिखाने में कोई कसर नहीं छूटनी चाहिए। राज्य के कई इलाकों में हिंसक तत्वों ने कानून-व्यवस्था का मखौल उड़ाया है। मणिपुर की छवि को भी झटका लगा है, अतः सुरक्षा एजेंसियों को अपने स्तर पर पूरी सतर्कता बरतते हुए हिंसक तत्वों पर लगाम कसनी चाहिए। निर्दोष और विस्थापित लोगों को जल्द से जल्द उनके घर लौटने के लिए प्रेरित किया जाए और सुरक्षा का बेहतर माहौल दिया जाए। केंद्रीय गृह मंत्री ने उचित ही अधिकारियों को राज्य में शांति भंग करने वाली गतिविधियों से सख्ती से निपटने का निर्देश दिया है। दूसरी ओर, विभिन्न समूहों से कम से कम 15 दिन शांति बनाए रखने की अपील की गई है। जाहिर है, मणिपुर में दूरदराज के इलाकों में ऐसे बहुत से लोग होंगे, जो फंसा हुआ महसूस कर रहे होंगे, उन तक राहत पहुंचाना केंद्र व राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है।

यह मणिपुर व पूर्वोत्तर की राजनीति के लिए भी परीक्षा की घड़ी है। सभी राजनीतिक दलों को शांति प्रयासों में जुट जाना चाहिए। आदिवासी नेताओं, बुद्धिजीवियों और प्रमुख आदिवासी नागरिकों के साथ भी केंद्रीय गृह मंत्री की चर्चा का सार्थक परिणाम निकलना चाहिए। नए समय और आधुनिक होते समाज की रोशनी में स्थानीय लोगों को सकारात्मक योगदान देने के लिए सहर्ष आगे आना चाहिए। यह अच्छी बात है कि इतनी हिंसा के बावजूद स्थानीय स्तर पर सुरक्षा बलों ने संयम का परिचय दिया है। हिंसा फैलाने वालों को आतंकवादी नहीं समझा जा रहा है। हिंसा को संगठित हिंसा के बजाय जातीय हिंसा माना जा रहा है। वैसे, मौके का गलत फायदा उठाते हुए अलग राज्य की जो मांग उठी है, उस पर फिलहाल विचार करने से बचना चाहिए। अभी मणिपुर में गांव-गांव तक शांति की बहाली प्राथमिकता

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

संसद तो हुई हाईटेक अब सांसदों की है बारी...!

(लेखक- ऋतुपर्ण दवे)

यदि पुरानी परंपराओं को कायम रखते हुए जनसंख्या को लोकसभा सीटों का आधार बनाया जाता तो उन उत्तरी राज्यों की सीटों में भारी इजाफा हो जाता जहां जनसंख्या स्थिरीकरण कार्यक्रम असफल रहा है। यही सब देखकर लगता है कि मौजूदा व्यवस्था के तहत नया परिसीमन 2026 तो नहीं 2031 की जनगणना के बाद ही हो पाएगा? अब आबादी लगभग 140 करोड़ है। 1971 की जनगणना के हिसाब से हर बड़े राज्य में लगभग 10 लाख की आबादी पर एक सांसद थे। फिलाहाल सीटों की संख्या तो वही है लेकिन आबादी तेजी से बढ़ी है। राजस्थान जैसे बड़े राज्य में कुछ संसदीय सीटों की आबादी 30 लाख पार हो चुकी है वहीं केरल या तमिलनाडु में सिर्फ 18 लाख की आबादी पर एक सांसद हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो चाहा कर दिखाया। देश को बेहद कम और रिकॉर्ड समय में नई संसद मिली। साथही पहली बार पूरे देश ने एक साथ न्याय के प्रतीक पवित्र सेंगोल के बारे में और भी काफी कुछ पहली बार जाना। चोल साम्राज्य से जुड़ा सेंगोल जिसे हस्तान्तरित किया जाता है, उससे न्यायपूर्ण शासन की अपेक्षा की जाती है।प्राचीन काल सेंगोल न केवल राजदंड के तौर पर जाना जाता था बल्कि यह राजदंड केवल सत्ता का प्रतीक ही नहींबल्कि राजा को हमेशा न्यायशील बने रहने के साथ ही प्रजा को भी राज्य के प्रति समर्पित रहने के वचन का स्थिर प्रतीक भी रहा है। राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति का संदेश वाचन भी हुआ। नई संसद का प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन पर तमतमाए विपक्ष ने तमाम तरह के आरोपों से घेरने की कोशिश की। लेकिन ऐसा लगता है कि धुन के पक्के प्रधानमंत्री और उनकी सरकार पर कोई फर्क पड़ानहीं। लोकतांत्रिक मूल्यों की दुहाई देकर विपक्ष केवल उद्घाटन पर सवाल उठाने से क्या हासिल पाया इस पर कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना तय है कि प्रधानमंत्री की ढ़ेरों रैलियां, रोड शो और दूसरे कार्यक्रमों से इतर उनका महत्वकांक्षी सेण्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट जिसमें नई संसद का शिलान्यास व उद्घाटन कर जो बड़ी उपलब्धि हासिल की वो विरली है और अलग भी। अब कोई इसे इवेन्ट कहे या गैर जरूरी ये अपना-अपना नजरिया है। राजनीतिक दृष्टि से इसके मायने भी अलग हो सकते हैं। लेकिन जनता इस पर क्या सोचती है इसके लिए थोड़ा इंतजार जरूर करना होगा। हां भाग्यशाली वो सांसद जरूर हैं जिन्हें देश की पुरानी और नई संसद यानी दोनों में काम करने का मौका मिलेगा। नई संसद की बुनियाद भी नरेन्द्र मोदी ने 10 दिसंबर 2020 को तब रखी थी जब कोविड का दौर था। नई संसद तिकोने आकार का चार मंजिला विशाल निर्माण है जो 64,500 वर्ग मीटर में है। इसे देशी कंपनी टाटा ग्रुप की सहायक टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड ने बनाया है तथा टेण्डरिंग में लार्सन एंड टुब्रो को पीछे छोड़ 861.9 करोड़ रुपये में हासिल किया। लेकिन वर्ष 2020 में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संसद में बताया था कि नए भवन की अनुमानित लागत 971 करोड़ रुपये है। वहीं बीते साल कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लागत बढ़कर 1200 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। जाहिर है मंहगाई बढ़ने के साथ लागत बढ़ना नई बात नहीं है। पुरानी लोकसभा की क्षमता 552 सीटों की थी जबकि नए में 888 सीटें हैं। इसी तरह पुराने राज्यसभा भवन में 250 सदस्यों की ही जगह थी। नए भवन में यह क्षमता बढ़ाकर 384 हो गई है। नई संसद की संयुक्त बैठक में एक साथ 1272 सदस्य बैठ सकेंगे जबकि दर्शक दीर्घा में 336 लोगों के बैठने का इंतजाम होगा।सांसदों को अलग दफ्तर भी मिलेगाजो आधुनिक डिजिटल सुविधाओं से लैस होगा ताकि पेपरलेस कामकाज की ओर भी बढ़ा जा सके। नई इमारत में एक भव्य कॉन्स्टिट्यूशन हॉल जिसे संविधान हॉल है जिसमें भारत की लोकतांत्रिक विरासत को दर्शाया जाएगा।इसमें हमारे संविधान की मूल प्रति रखी जाएगी। सांसदों के बैठने के लिए भी बड़ा हॉल, एक लाइब्रेरी, विभिन्न समितियों के लिए कई कक्ष, भोजन कक्ष और बहुत सारी पार्किंग की जगह होगी ताकि संसद में पहले जैसे भीड़-भाड़ व जगह की कमीं नहीं दिखे।

नई संसद में 3 मुख्य द्वार हैं ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार। फिलाहाल मौजूदा संसद भवन की इमारत को बने करीब 96 साल हो रहे हैं जो शुरू में 556 मीटर व्यास में थी। लेकिन जब जगह कम पड़ने लगी तो 1956 में फिर अतिरिक्त निर्माण करा दो मंजिलें और जोड़ी गईं। तब इसे संसद भवन नहीं बल्कि हाउस ऑफ पार्लियामेंट कहते थे। आजादी के बाद से जब यहां सांसद बैठने लगे तो संसद भवन कहलाने लगा। 1927 में बनी पुरानी संसद पर लगभग 83 लाख रुपए खर्च हुए और 6 साल का वक्त लगा। शुरुआत में ब्रिटिश विधान परिषद का कामकाज होता था। इसकी डिजाइन ब्रिटिश आर्कीटेक्ट एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर ने की थी और नाम काउंसिल हाउस दिया गया। इसी आर्किटेक्ट के चलते दिल्ली लुटियंस की दिल्ली कहलाने लगी। पुरानी संसद हमारे मजदूरों और कारीगरों ने देशी सामग्री से बनाया था जिस पर भारतीय वास्तुकला और परंपराओं की गहरी छाप है। इसे मुरैना के चौंसठ योगिनी मंदिर के डिजाइन जैसी डिजाइन मानते हैं क्योंकि कमरों से लेकर बिल्डिंग तक मंदिर से पूरी तरह मिलते हैं। इस मंदिर का निर्माण 1323 ईस्वी में कच्छप राजा जयपाल ने कराया और नाम इकंतेश्वर या इकत्तरसो महादेव मन्दिर रखा गया।

दरअसल नई संसद भी स्वदेशी कारीगरी की मिशाल है। अभी सेंट्रल विस्टा जीर्णोद्धार और पुर्ननिर्माण परियोजना में कई काम होने हैं। रायसीना पहाड़ी से इंडिया गेट तक राजपथ के किनारे स्थित करीब 3 किमी क्षेत्र में केंद्रीय प्रशासनिक क्षेत्र यानी सेंट्रल विस्टा में नए तरीके से आधुनिक शिल्पकला और जरूरतों के हिसाब से केंद्रीय सचिवालय भी बन रहा है। यह संसद के बाजू में होगा। प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति का नया घर भी नई संसद के करीब होगा। पूरे प्रोजेक्ट में करीब 20 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे जिससे तमाम भवनों का निर्माण और सौंदर्यीकरण भी होगा।

अभी वर्तमान आबादी के लिहाज से औसतन एक सांसद पर लगभग 24 लाख 87 हजार के लोगों के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी है। लेकिन वास्तव में देश में कई ऐसे जिले हैं जिनके एक सांसद 16 लाख से 20-22 लाख और कहीं-कहीं 30 लाख से ज्यादा लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। रही संसदीय क्षेत्र के विकास की बात तो वह भी ऐसी परिस्थितियों में काफी पेचीदगियों भरी होती है। यकीनन लोकसभा का भौगोलिक क्षेत्रफल कई जगह काफी विसंगति पूर्ण है। कहीं-कहीं तो एक सांसद का क्षेत्र 2-3 जिलों तक फैला हुआ है तो कहीं अलग-अलग संभागों के क्षेत्र भी आ जाते हैं। ऐसे में सांसद के सामने तकनीकी, व्यव्हारिक असमंजस भरी कठिनाइयों का अंबार होना स्वाभाविक है। नियमानुसार निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का परिसीमन आयोग करता है। संविधान के अनुच्छेद 82 के अनुसार प्रत्येक जनगणना के बाद केन्द्र सरकार परिसीमन आयोग का गठन करती है जो संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का नया परिसीमन करता है। आखिरी परिसीमन 2002 के प्रावधानों के तहत वर्ष 2001 की जनगणना आंकड़ों के आधार पर हुआ जो 2008 में खत्म हुआ। इसमें देश में जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों के चलते तय किया गया था कि 2026 तक लोकसभा की सीटें नहीं बढ़ाई जाएंगी। यदि पुरानी परंपराओं को कायम रखते हुए जनसंख्या को लोकसभा सीटों का आधार बनाया जाता तो उन उत्तरी राज्यों की सीटों में भारी इजाफा हो जाता जहां जनसंख्या स्थिरीकरण कार्यक्रम असफल रहा है। यही सब देखकर लगता है कि मौजूदा व्यवस्था के तहत नया परिसीमन 2026 तो नहीं 2031 की जनगणना के बाद ही हो पाएगा? अब आबादी लगभग 140 करोड़ है। 1971 की जनगणना के हिसाब से हर बड़े राज्य में लगभग 10 लाख की आबादी पर एक सांसद थे। फिलाहाल सीटों की संख्या तो वही है लेकिन आबादी तेजी से बढ़ी है। राजस्थान जैसे बड़े राज्य में कुछ संसदीय सीटों की आबादी 30 लाख पार हो चुकी है वहीं केरल या तमिलनाडु में सिर्फ 18 लाख की आबादी पर एक सांसद हैं। बस इन्हीं विसंगतियों के चलते 2026 या 2031 जब भी परिसीमन होगा बहुत ही पेचीदा होगा।

नई संसद के उद्घाटन से पहले तकनीकी उड़ान में भी भारत 5 जी में पहुंच आगे की तैयारी में है। क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के निराकरण के लिए दौरों के बजाए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर सांसदों की हर जगह डिजिटल मौजूदगी और संसदीय क्षेत्र के हर आम व खास से खुले मंच जनता से कनेक्टिवटी भी जरूरी है। अब बड़ा क्षेत्रफल, दौरा या दूरी जैसी बातें बेमानी हैं। सभी से कभी संपर्क नए दौर की आसानी है। जहां आबादी का अनुपात जरूर घटेगा लेकिन जिम्मेदारियों, क्षेत्रवासियों से डिजिटलाइज संपर्क व संवाद जैसी भागीदारी बढ़ेगी। ऐसे में हमारे माननीयों को तकनीक का ज्ञान और कौशल कुशलता जरूरी होगी। इसमें ट्रेन्ड सांसद ही नए दौर केसच्चे जनप्रतिनिधि कहलाएंगे। नई संसद में माननीयों भी डिजिटल मोड में रहकर नई अग्निपरीक्षा से गुजरेंगे। भविष्य कुछ ऐसा होगा जहां हर एक मतदाता सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कभी भी और कहीं भी अपने जनप्रतिनिधि से अपनी जायज समस्याओं के लिए संवाद कर सकेगा। काश हमारे सांसद भी हाईटेक माननीय होकर अपनी डिजिटल भूमिका निभाते दिखते। नई संसद तो नई बेहद हाईटेक और उम्मीदों से बढ़कर है काश उसमें बैठने वाले सारे नुमाइन्दे भी इसमें पारंगत होते तो सोने में सुहागा हो जाता।

(लेखक स्वंतत्र पत्रकार एवं स्तंभाकर हैं।)

जलवायु परिवर्तन के कारण उभर रहे हैं समुद्री तूफान

पंकज चतुर्वेदी

यमन में लाल सागर के तट पर बसे कॉफी के व्यापार के लिए मशहूर 'मोचा' शहर के नाम पर मई के मध्य में बंगाल की खाड़ी में कहर बन कर आए मोचा चक्रवात ने भले ही भारत में कोई बहुत बड़ा नुकसान नहीं किया हो- लेकिन भारत की तटीय आबादियों पर अब दिसंबर तक ऐसे ही कई खतरे मंडरा रहे हैं। यह एक महज प्राकृतिक आपदा नहीं है। तेजी से बदल रहे दुनिया के प्राकृतिक मिजाज ने इस तरह के तूफानों की संख्या में इजाफा किया है। जैसे-जैसे समुद्र के जल का तापमान बढ़ेगा,उतने ही अधिक तूफान हमें झेलने होंगे। यह चेतावनी है कि इंसान ने प्रकृति के साथ छेड़छाड़ को नियंत्रित नहीं किया तो साइक्लोन या बवंडर के चलते सागर किनारे वाले शहरों में आम लोगों का जीना दूभर हो जाएगा । जलवायु परिवर्तन पर 2019 में जारी इंटर गवनमेंट समूह (आईपीसीसी) की विशेष रिपोर्ट 卐ओशन एंड क्रायोस्फीयर इन ए चेंजिंग क्लाइमेट卐 के अनुसार सारी दुनिया के महासागर 1970 से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से उत्पन्न 90 फीसदी अतिरिक्त गर्मी को अवशोषित कर चुके हैं। जिससे महासागर गर्म हो रहे हैं। इसी से चक्रवात का जल्दी-जल्दी आने वाला और खतरनाक चेहरा सामने आ रहा है। मोचा तूफान के पहले बंगाल खाड़ी में जलवायु परिवर्तन के चलते समुद्र जल सामान्य से अधिक गर्म हो गया था। उस समय समुद्र की सतह का तापमान औसत से लगभग 0.51 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म था , कुछ क्षेत्रों में यह सामान्य से लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया था। जान लें कि समुद्र का 0.1 डिग्री तापमान बढ़ने का अर्थ है चक्रवात को अतिरिक्त ऊर्जा मिलना। हवा की विशाल मात्रा के तेजी से गोल-गोल घूमने पर उत्पन्न तूफान उष्णकटिबंधीय चक्रीय बवंडर कहलाता है। पृथ्वी भौगोलिक रूप से दो गोलार्धों में विभाजित है। ठंडे या बर्फ वाले उत्तरी गोलार्द्ध में उत्पन्न इस तरह के तूफानों को हरिकेन या टाइफून कहते हैं । इनमें हवा का घूर्णन घड़ी की सुइयों के विपरीत दिशा में एक वृत्ताकार रूप में होता है। जब बहुत तेज हवाओं वाले उग्र आंधी-तूफान अपने साथ मूसलाधार वर्षा लाते हैं तो उन्हें हेरकेन कहते हैं। जबकि भारत के हिस्से दक्षिणी अर्द्धगोलार्ध में इन्हें चक्रवात या साइक्लोन कहा जाता है। इस तरफ हवा का घुमाव घड़ी की सुइयों की दिशा में वृत्ताकार होता है। किसी भी उष्णकटिबंधीय अंधड़ को चक्रवाती तूफान की श्रेणी में तब गिना जाने लगता है जब उसकी गति कम से कम 74 मील प्रति घंटे हो जाती है। ये बवंडर कई परमाणु बमों के बराबर ऊर्जा पैदा करने की क्षमता वाले होते हैं। धरती के अपने अक्ष पर घूमने से सीधा जुड़ा है चक्रवाती तूफानों का उठना। भूमध्य रेखा के नजदीकी जिन समुद्रों में पानी का तापमान 26 डिग्री सेल्सियस या अधिक होता है,वहां ऐसे चक्रवात उभरने की संभावना होती है। तेज धूप में जब समुद्र के ऊपर की हवा गर्म होती है तो वह तेजी से ऊपर की ओर उठती है। बहुत तेज गति से हवा के उठने से नीचे कम दवाब का क्षेत्र विकसित हो जाता है। कम दवाब के क्षेत्र के कारण वहां एक शून्य या खालीपन पैदा हो जाता है। इस खालीपन को भरने के लिए आसपास की ठंडी हवा तेजी से झपटती है । चूंकि पृथ्वी भी अपनी धुरी पर एक लट्टू की तरह गोल घूम रही है सो हवा का रुख पहले तो अंदर की ओर ही मुड़ जाता है और फिर हवा तेजी से खुद घूर्णन करती हुई तेजी से ऊपर की ओर उठने लगती है। इस तरह हवा की गति तेज होने पर नीचे से ऊपर बहुत तेज गति में हवा भी घूमती हुई एक बड़ा घेरा बना लेती है। यह घेरा कई बार दो हजार किलोमीटर के दायरे तक विस्तार पा जाता है। सनद रहे भूमध्य रेखा पर पृथ्वी की घूर्णन गति लगभग 1038 मील प्रति घंटा है जबकि ध्रुवों पर यह शून्य रहती है। इस तरह के बवंडर संपत्ति और इंसान को तात्कालिक नुकसान तो पहुंचाते ही हैं , इनका दीर्घकालिक प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है । भीषण बरसात के कारण बन गए दलदली क्षेत्र, तेज आंधी से उजड़ गए प्राकृतिक वन और हरियाली, जानवरों का नैसर्गिक पर्यावास समूची प्रकृति के संतुलन को उजाड़ देता है। जिन वनों या पेड़ों को संपूर्ण स्वरूप पाने में दशकों लगे वे पलक झपकते नेस्तनाबूद हो जाते हैं। तेज हवा के कारण तटीय क्षेत्रों में मीठे पानी मे खारे पानी और खेती वाली जमीन पर मिट्टी व दलदल बनने से हुए क्षति को पूरा करना मुश्किल होता है। भारतीय उपमहाद्वीप में हर बार पहले से घातक तूफान आने का असल कारण इंसान द्वारा किये जा रहे प्रकृति के अंधाधुंध शोषण से उपजी पर्यावरणीय त्रासदी 'जलवायु परिवर्तन' भी है। अमेरिका की अंतरिक्ष शोध संस्था नेशनल एयरोनाटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन - नासा की चेतावनी है कि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रकोप से चक्रवाती तूफान और खूंखार होते जाएंगे। जलवायु परिवर्तन के कारण उष्णकटिबंधीय महासागरों का तापमान बढ़ने से सदी के अंत में बारिश के साथ भयंकर बारिश और तूफान आने की दर बढ़ सकती है। अमेरिका में नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) के नेतृत्व में यह अध्ययन किया गया। इसमें औसत समुद्री सतह के तापमान और गंभीर तूफानों की शुरुआत के बीच संबंधों को निर्धारित करने के लिए उष्णकटिबंधीय महासागरों के ऊपर अंतरिक्ष एजेंसी के वायुमंडलीय इन्फारेड साउंडर (एआईआरएस) उपकरणों द्वारा 15 सालों तक एकत्र आकंड़ों के आकलन से यह बात सामने आई। अध्ययन में पाया गया कि समुद्र की सतह का तापमान लगभग 28 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने पर गंभीर तूफान आते हैं। 'जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स'(फरवरी 2019), में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि के कारण हर एक डिग्री सेल्सियस पर 21 प्रतिशत अधिक तूफान आते हैं। भारी बारिश के साथ तूफान आमतौर पर साल के सबसे गर्म मौसम में ही आते हैं। लेकिन जिस तरह से ठंड के दिनों में भारत में ऐसे तूफानों के हमले बढ़ते जा रहे हैं यह हमारे लिए गंभीर चेतावनी है।

महिला पहलवानों का आंदोलन और सरकार

(लेखक-सनत जैन)

अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता महिला पहलवान पिछले 6 माह से यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी आवाज उठा रही हैं। खेल मंत्रालय से जब इस मामले में खिलाड़ियों को कोई राहत नहीं मिली, तो महिला पहलवान जंतर मंतर में बैठकर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। लगभग 35 दिनों तक यह धरना प्रदर्शन चला। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पास्को एक्ट में भी मामला दर्ज हुआ। लेकिन अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। पास्को एक्ट में तुरंत गिरफ्तारी किए जाने का प्रावधान है। दिल्ली पुलिस जांच के नाम पर आरोपी बृजभूषण सिंह पर कोई कार्यवाही नहीं की। जिससे आंदोलनकारी पहलवानों को यह संदेश गया की सरकार बृजभूषण सिंह को बचाने में लगी है। आंदोलनकारी महिला पहलवान बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े है। सरकार और दिल्ली पुलिस की ओर से ऐसे कोई प्रयास नहीं किए गए ,जिससे महिला पहलवानों को यह लगता, कि उनके मामले में सही जांच हो रही है। उल्टे महिला पहलवानों को यह एहसास कराया गया, कि कुश्ती संघ के अध्यक्ष एवं सांसद बृजभूषण सिंह को बचाने के लिए सरकार का संरक्षण और दिल्ली पुलिस पर बृजभूषण सिंह को बचाने का दबाव है। यौन उत्पीड़न महिला पहलवानों का लगातार पिछले कई माहों से किया जा रहा था। आमतौर पर ऐसी शिकायतें महिलाओं और लड़कियों द्वारा करना संभव नहीं होता है। महिला पहलवान कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह से इस कदर परेशान हो गई, कि जब यौन उत्पीड़न सहना मुश्किल हो गया, तब जाकर उन्होंने यह बदनामी मोल लेने का जोखिम उठाया। कुस्ती संघ के अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह, महिला पहलवानों के खिलाफ बयान देकर उन्हें भड़काने का काम करते रहे। पिछले 35 दिनों में समाज के सभी वर्गों का समर्थन महिला खिलाड़ियों को मिला। सभी राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा महिला खिलाड़ियों को समर्थन दिया। इतने गंभीर आरोप लगने के बाद भी कुश्ती संघ को अध्यक्ष पद से बर्खास्त नहीं किया। जब उसका कार्यकाल समाप्त हो गया, तब नए चुनाव कराने की घोषणा कर दी। कुश्ती संघ के चुनाव की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हुई। 28 मई को संसद भवन का उद्घाटन होना था। विरोध प्रदर्शन करने के लिए महिला खिलाड़ी संसद भवन की ओर जाना चाहते थे। पुलिस द्वारा जिस तरह से महिला पहलवानों की गिरफ्तारी की गई। उसकी देश और विदेशों में निंदा हो रही है। जंतर मंतर से पुलिस ने उनका धरना हटा दिया गया। नाराज और हताश महिला पहलवान अपने मैडल गंगा मैया को समर्पित करने हरिद्वार पहुंच गए। संयुक्त किसान मोर्चा के राकेश टिकैत की पहल पर खिलाड़ियों ने मेडल प्रवाहित नहीं किए और अपने मैडल उन्हें सौंप दिए। बुधवार को आश्चर्यजनक घटनाक्रम हुआ। एएनआई न्यूज़ एजेंसी द्वारा दिल्ली पुलिस के हवाले से एक ट्वीट किया। जिसमें कहा गया कि दिल्ली पुलिस को बृजभूषण सिंह के खिलाफ कोई प्रमाण नहीं मिले। इस ट्वीट के बाद दिल्ली पुलिस ने न्यूज़ एजेंसी के ट्वीट का खंडन किया। दिल्ली पुलिस ने न्यूज एजेंसी के ट्वीट का खण्डन अपने ट्वीट में किया, कि अभी जांच चल रही है। पुलिस ने अपना ट्वीट कुछ मिनटों में हटा भी लिया। इसके बाद मीडिया में बृजभूषण शरण सिंह के बेगुनाह होने की बातें जोर शोर से प्रसारित होने लगी। खेल मंत्रालय ने भी स्थिति स्पष्ट कर दी, कि जांच के बाद ही पुलिस और खेल मंत्रालय कार्रवाई करेगा। इन सारी स्थितियों को देखते हुए यह मामला एक बार फिर तूल पकड़ता हुआ दिख रहा है। किसान संयुक्त मोर्चा ने 5 दिन का समय बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी के लिए अल्टीमेटम दिया है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राष्ट्रपति को मिलकर ज्ञापन देने दिल्ली पहुंच रहे हैं।गिरफ्तारी नहीं हुई ,तो यह मामला किसान आंदोलन से भी जुड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद भी खिलाड़ियों को न्याय नहीं मिल रहा है। इतने संवेदनशील मामले में सरकार की हठधर्मिता ने महिला पहलवानों की करो या मरो की स्थिति पर लाकर खड़ा कर दिया है। दोनों ही पक्ष अपने कदम हटाने को तैयार नहीं है। महिला खिलाड़ियों को दिल्ली पुलिस के ऊपर विश्वास नहीं रहा। इस आंदोलन का असर युवाओं और महिलाओं पर होता हुआ दिख रहा है।

कुछ ही महीने में हिंदीभाषी राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की छवि महिलाओं और युवाओं में खराब हो रही है। इसके बाद भी सरकार इस मामले को लेकर संवेदनशील नहीं है। महिला पहलवानों को खाप पंचायत और संयुक्त किसान मोर्चा का समर्थन प्राप्त है। ऐसी स्थिति में यह मामला आगे चलकर बड़ा स्वरूप ले सकता है। पास्को एक्ट में एफआईआर दर्ज होने के बाद भी, गिरफ्तारी नहीं होने से न्यायपालिका की छबि पर विपरीत असर जनमानस पर हो रहा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही उतार-चढ़ाव और बिकवाली हावी होने से आई है। आज कारोबार के दौरान बैंक, धातु और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी रही जिससे भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 193.70 अंक करीब 0.31 फीसदी टूटकर 62,428.54 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय यह 263.1 अंक तक फिसल गया था। दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 46.65 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी नीचे आकर 18,487.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक 3.42 फीसदी और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 3.31 फीसदी गिरे। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और मारुति के शेयर भी नीचे आये। वहीं दूसरी ओर टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, नेस्ले, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और इंडसइंड बैंक के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत हल्की बढ़त के साथ हुई। सेंसेक्स 25.86 अंक की बढ़त के साथ 62,648.10 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 14.85 अंक की बढ़त के साथ 18,549.30 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं प्री-ओपनिंग में बाजार सपाट कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आये जबकि जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में रहा। देश में सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि जनवरी-मार्च तिमाही में उम्मीद से अधिक 6.1 फीसदी रही है। इसके साथ पूरे वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर अनुमान से ज्यादा 7.2 फीसदी रही है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 फीसदी की गिरावट के साथ 72.48 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

रुपया बढ़त पर बंद हुआ

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ ही 82.42 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया 39 पैसे की बढ़त के साथ ही 82.36 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.54 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह 82.36 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में 39 पैसे की बढ़त है। बुधवार को रुपया 82.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़ों के मोर्चे पर केंद्र का राजकोषीय घाटा 2022-23 में घटकर जीडीपी का 6.4 फीसदी रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 6.71 फीसदी था। इसके अलावा गत वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.1 फीसदी की दर से बढ़ी है। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रही है। इस बीच, छह अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी नीचे आकर 104.23 पर आ गया।

बजाज ऑटो की बिक्री मई में 29 प्रतिशत बढ़कर 3,55,148 इकाई हुई

नई दिल्ली । बजाज ऑटो की कुल बिक्री मई में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 29 प्रतिशत बढ़कर 3,55,148 इकाई रही। बजाज ऑटो ने यह जानकारी दी। कंपनी ने मई, 2022 में कुल 2,75,868 वाहन बेचे थे। कंपनी की कुल दोपहिया वाहन बिक्री पिछले महीने 3,07,696 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि के 2,49,499 इकाई से 23 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि मई घरेलू बाजार में उसकी दोपहिया वाहनों की बिक्री बढ़कर 1,94,811 इकाई हो गई, जो पिछले साल के समान महीने में 96,102 इकाई थी। हालांकि, कंपनी का निर्यात 1,53,397 इकाइयों से घटकर 1,12,885 इकाई रह गया। पिछले महीने कंपनी की कुल वाणिज्यिक वाहन बिक्री 80 प्रतिशत बढ़कर 47,452 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 26,369 इकाई थी।

पतंजलि के प्रमोटर्स बेचेंगे 6 फीसदी हिस्सेदारी

- कंपनी ऑफर फॉर सेल और क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट के जरिए शेयर बेचेगी

नई दिल्ली । पतंजलि फूड्स ने एक्सचेंजों को दी जानकारी के मुताबिक कंपनी के प्रमोटर्स अपनी 6 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं। जून महीने में मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग की शर्तों को पूरा करने के लिए प्रमोटर्स 6 फीसदी हिस्सेदारी इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स को बेचेंगे। बता दें कि सेबी के नियम कहते हैं कि किसी भी लिस्टेड कंपनी की कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी ओपन मार्केट में होना चाहिए। गौरतलब है कि पतंजलि फूड्स को पहले रुचि सोया इंडस्ट्रीज के नाम से जाना जाता था। समूह ने इनसॉल्वेंसी रिज्योलूशन के जरिए सितंबर 2019 में रुचि सोया खरीद था। इसके बाद इसका नाम बदल कर पतंजलि फूड्स रखा गया। बाबा रामदेव ने इस बारे में कहा` कि हम बाजार नियामक सेबी के नियमों के मुताबिक मिनिमम पब्लिक शेयहोल्डिंग के नियमों को पूरा करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी जून महीने में अपनी 6 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश कर रही है। कंपनी ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) और क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट के जरिए शेयर बेचेगी। ऑफर फॉर सेल के इश्यू प्राइस को लेकर कंपनी के सीईओ संजीव अस्थाना ने कहा कि बाजार के हिसाब से यह तय किया जाएगा कि ऑफर फॉर सेल के जरिए कितना फंड जुटाया जाएगा। रामदेव ने कहा कि हम 31 मई से रोडशो शुरू कर दिया है और इसमें ग्लोबल निवेशकों की अच्छी दिलचस्पी है। पतंजलि फूड्स की पब्लिक शेयरहोल्डिंग फिलहाल 19.18 फीसदी है। अब कंपनी इसे बढ़ाकर 25 फीसदी करने वाली है। स्टॉक्स की बात करें तो पतंजलि फूड्स के शेयर 31 मई को 2.10 फीसदी की तेजी के साथ 1042 रुपए पर बंद हुए। पतंजलि फूड्स का मार्केट कैप फिलहाल 37.90 करोड़ रुपए है।

क्रेटा और वेन्यू के कारण मई में 16 फीसदी बढ़ी ह्युंडै की बिक्री

मुंबई । ह्युंडै मोटर इंडिया लि. (एचएमआईएल) की कुल बिक्री मई में 16.26 प्रतिशत बढ़कर 59,601 इकाई रही है। कंपनी ने पिछले साल समान महीने में 51,263 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि घरेलू बाजार में उसकी बिक्री 14.91 प्रतिशत बढ़कर 48,601 इकाई पर पहुंच गई, जो मई, 2022 में 42,293 इकाई रही थी। मई में कंपनी का निर्यात 22.63 प्रतिशत बढ़कर 11,000 इकाई पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान महीने में 8,970 इकाई था। एचएमआईएल के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने कहा कि कंपनी की मई मे बिक्री वृद्धि दो अंक में रही है। इसमें मुख्य योगदान एसयूवी क्रेटा और वेन्यू का रहा। उन्होंने कहा कि हाल में पेश वरना सेडान को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

देश के विनिर्माण क्षेत्र में तेजी, 31 महीने के उच्च स्तर पहुंचा पीएमआई

नई दिल्ली । भारत के विनिर्माण क्षेत्र में मई महीने के दौरान बंपर तेजी देखी गई और इसकी गतिविधियां 31 महीने के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गई। एक निजी सर्वे में गुरुवार को यह जानकारी सामने आई। मई महीने के दौरान भारतीय विनिर्माण क्षेत्र का खरीद प्रबंध सूचकांक (पीएमआई) 58.7 पर पहुंच गया। यह अक्टूबर 2020 के बाद विनिर्माण क्षेत्र की सबसे जबरदस्त तेजी है। यह बताता है कि मई महीने के दौरान भारत में कारखानों का आउटपुट करीब ढाई साल में सबसे बेहतर रहा है। एक दिन पहले मार्च तिमाही के जीडीपी ग्रोथ रेट के शानदार आंकड़ों के बाद मई महीने के दौरान कारखानों की गतिविधियों में जबरदस्त सुधार आगे के लिए बेहतर संकेत देते हैं। मई महीने के दौरान लगातार 23वें महीने पीएमआई सूचकांक 50 से ऊपर रहा है। इससे पहले अप्रैल महीने के दौरान भारत में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां 4 महीने के उच्च स्तर पर रही थीं। अप्रैल महीने के दौरान आउटपुट और नए ऑॅर्डर में शानदार वृद्धि से विनिर्माण क्षेत्र को मदद मिली थी। अप्रैल महीने के दौरान एसएंडपी ग्लोबल इंडिया मैन्यूफैक्चरिंग पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स 57.2 पर रहा थ, जो मार्च के 56.4 की तुलना में ज्यादा था। अगर पीएमआई का आंकड़ा 50 से ऊपर रहे तो इससे पता चलता कि संबंधित अवधि के दौरान गतिविधियों में तेजी दर्ज की गई है। वहीं 50 से नीचे का पीएमआई आंकड़ा आलोच्य अवधि में गतिविधियों में गिरावट का इशारा करता है। अगर पीएमआई 50 हो तो माना जाता है कि संबंधित अवधि के दौरान गतिविधियां लगभग स्थिर रहीं।

एलन मस्क फिर बने दुनिया के सबसे अमीर इंसान

- मस्क की नेटवर्थ 1.98 अरब डॉलर बढ़ी, बर्नार्ड अर्नाल्ट को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

दुनिया के प्रमुख अरबपतियों की सूची में बड़ा फेरबदल हुआ है। टेस्ला, स्पेसएक्स और ट्विटर जैसी कंपनियों के मालिक एलन मस्क फिर दुनिया के सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। उन्होंने दौलत की रेस में अब तक नंबर-1 की कुर्सी पर काबिज बर्नार्ड अर्नाल्ट को पीछे छोड़ दिया है। बीते 24 घंटों में एलन मस्क की नेटवर्थ में 1.98 अरब डॉलर की बढ़ोत्तरी हुई है, जबकि फ्रांसीसी कारोबारी अर्नाल्ट को 5.35 अरब डॉलर का बड़ा घाटा हुआ है। सूची के मुताबिक एलन मस्क की नेटवर्थ में हुए 1.98 अरब डॉलर के इजाफे के बाद ये बढ़कर 192 अरब डॉलर हो गई है। बीते कुछ दिनों में बर्नार्ड अर्नाल्ट की नेटवर्थ में तेज गिरावट देखने को मिली है1 24 मई 2023 को ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक उन्हें 24 घंटे के भीतर ही 11.2 अरब डॉलर या करीब 92,000 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा था। इसके चलते उनकी नेटवर्थ 200 अरब डॉलर की नीचे पहुंच गई थी। अब एक बार फिर से एक दिन में उनकी संपत्ति में 5,25 अरब डॉलर की बड़े सेंध लगी है और इसके चलते उनसे नंबर-1 अमीर का ताज भी छिन गया है। एलन मस्क और बर्नार्ड अर्नाल्ट के साथ ही अगर दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों की लिस्ट देखें, तो तीसरे पायदान पर अमेजन के जेफ बेजोस अपना दबदबा कायम रखे हुए हैं। वे 144 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस कुर्सी पर काबिज हैं। दुनिया के चौथे सबसे अमीर इंसान 125 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स है, जबकि पांचवे पायदान पर 118 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ लैरी एलिसन का नाम आता है। अमीरों की सूची में स्टीव बाल्मर 114 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ छठवें नंबर पर हैं, वहीं दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे 112 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के रईसों में सातवें पायदान पर हैं। इसके अलावा 111 अरब डॉलर के साथ लैरी पेज आठवें, 106 अरब डॉलर के साथ सर्गेई ब्रिन नौंवे और 96.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ मार्क जुकरबर्ग 10वें पायदान पर हैं। भारतीय उद्योगपतियों में गौतम अडानी और मुकेश अंबानी इस सूची में टॉप-20 में शामिल हैं। एक ओर जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एशिया के सबसे रईस मुकेश अंबानी 84.7 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के 13वें सबसे अमीर इंसान हैं। वहीं गौतम अडानी 61.3 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ 19वें पायदान पर हैं।

कोकाकोला, पेप्सी और स्प्राइट को टक्कर देगा भारतीय ब्रांड बिसलेरी

नई दिल्ली ।

देश में बढ़ती गर्मी के कारण कोल्ड ड्रिंक्स की मांग बढ़ी है। लोगों की बढ़ती डिमांड को ध्यान में रखकर कंपनियां नए-नए फ्लेवर को बाजार में ला रही है। इस बीच, पैकेज्ड वाटर कंपनी बिसलेरी इंटरनेशनल ने भी बड़ी कोल्ड ड्रिंक ब्रांड्स जैसे कोकाकोला, (पेप्सी), स्प्राइट, को टक्कर देने की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी ने अपने पोर्टफोलियो में कार्बोनेटेड पेय पदार्थों को शामिल कर लिया है। इसकी जानकारी कंपनी ने दी। बता दें कि बिसलेरी ने तीन नए फ्लेवर में अपने ड्रिंक्स को बाजार में उतारा है। कंपनी के अनुसार, जो नए फ्लेवर में कोल्ड ड्रिंक को लांच किया है, उसमें रेव, पोपा और स्पाई जीरा सब ब्रांड शामिल हैं। इसके जरिए कंपनी लोगों को अपने नए फ्लेवर की कोल्ड ड्रिंक में फिज कोला, ऑरेंज, लेमन और जीरा कैटेगरी के टेस्ट प्रोवाइड करना चाहती है।

बता दें कि बिसलेरी पैकेज्ड वाटर के साथ ही अपने लिमोनाटा ब्रांड के तहत कार्बोनेटेड ड्रिंक भी बेचती है। बीते साल टाटा ग्रुप बिसलेरी इंटरनेशनल को खरीदने वाला था। हालांकि, बाद में बिसलेरी के मालिक रमेश चौहान ने अपना उत्तराधिकारी न होने और बढ़ती उम्र में खराब स्वास्थ्य होने का कारण बताकर बिसलेरी को बेचने का मन बनाया था। इस कंपनी को खरीदने के लिए टाटा ग्रुप के अलावा और भी कई कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई थी। लेकिन टाटा कंज्यूमर के साथ ये डील लगभग पूरी हो गई था। मगर लास्ट मोमेंट में दोनों कंपनियों के बीच वैल्यूएशन को लेकर बात बिगड़ गई और उसके बाद इस डील को तोड़ दिया गया। टाटा ग्रुप से डील टूटने के बाद बिसलेरी के के मालिक रमेश चौहान ने कंपनी का जिम्मा बेटी जयंती चौहान को दे दिया। इसके बाद कंपनी के कारोबार को बढ़ाने के लिए चौहान ने नई स्ट्रेटजी बनाई।

बता दें कि बिसलेरी के कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक की 160 एमएल से 600 एमएल की बॉटल को ग्राहक खरीद सकते हैं। नए फ्लेवर की कोल्ड ड्रिंक के प्रमोशन के लिए कंपनी कई बड़े सेलीब्रेटीज और बड़े नामों को अपने साथ जोड़ा है।

सरकार कोल इंडिया में तीन फीसदी तक हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली । सरकार ने कोल इंडिया में तीन प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना बनाई है। यह हिस्सेदारी एक जून से बिक्री पेशकश माध्यम से बेची जाएगी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि बिक्री पेशकश (ओएफएस) खुदरा और गैर-खुदरा निवेशकों के लिए एक और दो जून को जारी रहेगी। कोल इंडिया ने कहा कि प्रस्ताव के तहत कंपनी के 9.24 करोड़ शेयर यानी 1.5 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेची जाएगी। इसके अलावा अतिरिक्त बोली आने पर इतनी ही बिक्री और करने का विकल्प रखा गया है। कोल इंडिया का शेयर बुधवार को 241.20 रुपए पर बंद हुआ। इस दर से कंपनी के तीन प्रतिशत हिस्सेदारी की कीमत लगभग 4,400 करोड़ रुपए होगी। सूचना में कहा गया है कि बिक्रेता ने 10 रुपए अंकित मूल्य के 9,24,40,924 इक्विटी शेयर बेचने का प्रस्ताव दिया है। यह बिक्री खुदरा और गैर-खुदरा निवेशकों के लिए एक और दो जून को होगी। यह कुल चुकता शेयर पूंजी का 1.5 प्रतिशत है। इसके अलावा ज्यादा बोली आने पर इतने ही संख्या में और शेयर यानी 1.5 प्रतिशत और हिस्सेदारी बेचने का विकल्प रखा गया है।

माय फोटो स्ट्रीम बंद करेगा एप्पल, अपने फोटो बचाने ईमेल से चेताया

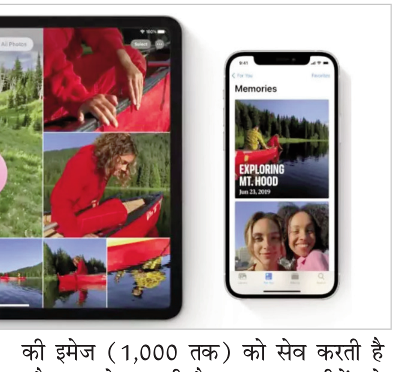

नई दिल्ली ।

आईफोन यूजर के लिए एक बड़ी दुविधा सामने आने वाली है। क्योंकि एप्पल अपना माय फोटो स्ट्रीम नामक फीचर जल्दी ही बंद करने वाला है। इसके लिए यूजर्स को एक मेल भी भेजा है, तो कि निर्धारित तिथि तक अपने फोटो अन्य जगह सेव कर लें, अन्यथा डाटा उड़ जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार एप्पल ने आईफोंस और अन्य डिवाइस के लिए माय फोटो स्ट्रीम फीचर को बंद करने का फैसला किया है। कंपनी ने यूजर्स को भेजे ईमेले लिखा है कि यह सुविधा अगले दो महीनों में बंद हो जाएगी। एप्पल सपोर्ट टीम द्वारा यूजर्स को ईमेल भेजा गया है। आइए आपको इस खबर के बारे में और डिटेल से बताते हैं। कंपनी ने यूजर्स को मेल में लिखा है कि माई फोटो स्ट्रीम 26 जुलाई, 2023 को बंद होने वाली है। इसे लिए आपके डिवाइस से माई फोटो स्ट्रीम में नए फोटो अपलोड 26 जून को रोक दिए जाएंगे। उस तारीख से पहले सेवा में अपलोड की गई कोई भी तस्वीर अपलोड की तारीख से 30 दिनों के लिए आईक्लाउड और आपके किसी भी डिवाइस पर उपलब्ध होगा. जहां माई फोटो स्ट्रीम फिलहाल एक्सेस करने में सक्षम है। 26 जुलाई तक, आईक्लाउड में कोई फोटो शेष नहीं रहेगी और सर्विस बंद कर दी जाएगी। एप्पल ने कहा है कि माई फोटो स्ट्रीम में यदि आपकी कोई फोटो है तो तो उसे आईफोन, आईपेड या मेक की लाइब्रेरी में सेव कर सकते हैं। गौरतलब माई फोटो स्ट्रीम एपल द्वारा दी जाने वाली एक फ्री सर्विस है जो ऑटोमैटिक आईक्लाउड के लिए नए 30 दिनों की इमेज (1,000 तक) को सेव करती है और अपलोड करती है। यह उन तस्वीरों को आईफोन, आईपैड, आईपॉड टच, मैक और यहां तक कि पीसी पर अलग-अलग डिवाइस से एक्सेस कर सकते हैं। माई फोटो स्ट्रीम को 2011 में आईक्लाउड के साथ आईफोन, आईपैड, ऐप्पल टीवी और मैक समेत विभिन्न एपल डिवाइसों में फोटो सिंक्रनाइज़ करने के लिए पेश किया गया था।

ग्रांड चेरोकी के दोनों मॉडल्स में खामी का पता चला

-कंपनी ने 90 हजार गाड़ियों को रिकॉल किया

नई दिल्ली ।

जीप कंपनी के सामने बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है। सबसे ज्यादा बिकने वाली कंपनी की एसयूवी ग्रांड चेरोकी के दोनों मॉडल्स में बड़ी खामी का पता चला है। जिसके बाद कंपनी ने 90 हजार गाड़ियों को रिकॉल किया है। इसके लिए कंपनी ने अपने कस्टमर्स से संपर्क करना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार ग्रांड चेरोकी औरग्रांड चेरोकी एल के 2021 से 2023 के बीच मैन्युफैक्चर हुए मॉडल्स को रिकॉल किया गया है। इनमें ग्रांड चेरोकी के 2022 और 2023 में बने मॉडल्स और ग्रैंड चैरोकी एल के 2021 से 2023 के बीच बने मॉडल्स को रिकॉल किया गया है। ये रिकॉल यूएस में सेल हुई गाड़ियों के लिए है। जानकारी के अनुसार 89,372 यूनिट्स को कंपनी ने सही करने के लिए बुलाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी की ओर से समस्या का पूरी तरह से विवरण नहीं दिया गया है लेकिन ये जरूर बताया गया है कि कार के स्टीयरिंग कॉलम में तकनीकी समस्या देखने को मिली है, जिसके बाद कंपनी ने इन सभी गाड़ियों को रिकॉल करने का फैसला लिया है। गौरतलब है कि स्टीयरिंग कॉलम की समस्या के चलते स्टीयरिंग जाम हो सकता है जिससे हादसा भी हो सकता है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में जीप की इस गाड़ी की कीमतों में एक लाख रुपये का इजाफा किया गया था। इस गाड़ी की कीमत पहले 78.50 लाख रुपये एक्स शोरूम थी जिसे बढ़ा कर 79.50 लाख रुपये कर दिया गया था। इन दोनों ही कारों का सीधा मुकाबला ऑडी क्यू 7, मर्सिडीज बेंज जीएलई, रेंज रोवर वेलॉर से है। हाल ही में चैरोकी का नया मॉडल ऑटो एक्सपो केक दौरान इंडिया में लॉन्च भी किया गया था।

पेट्रोल और डीजल की कीमत कुछ शहरों में बदली

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम भारतीय तेल कंपनियों की ओर से जारी कर दिए गए हैं। इसमें कोई भी बदलाव नहीं किया गया है। बड़े महानगरों में दाम स्थिर बने हुए हैं। वहीं कुछ शहरों में पेट्रोल की कीमत बढ़ी है तो कहीं कमी देखने को मिल रही है। पटना में पेट्रोल 88 पैसे सस्ता हुआ है। इसके अलावा नोएडा में भी पेट्रोल की कीमत में 13 पैसे की कमी आई है।

सुबह 6 बजे हर दिन पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। पेट्रोल व डीजल की कीमत में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसकी कीमत मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाती है। इन शहरों में पेट्रोल डीजल के दाम- दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

दुनिया की सबसे बड़ी सोलर कंपनी ने शुरु किया प्राइस वार

मुंबई ।

चीन स्थित दुनिया की सबसे बड़ी सोलर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लोंगी ग्रीन एनर्जी टेक्नोलॉजी ने प्रमुख उपकरणों के दाम 31 प्रतिशत तक घटा दिए हैं। कंपनी का कहना है कि सेक्टर में मैन्युपैक्चरिंग क्षमता लगातार बढ़ रही है। इसकारण लागत प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। वेफर्स सिलिकॉन से बने चौकोर टुकड़े होते हैं, जिन्हें सोलर पैनल में लगाया जाता है। इस कटौती से पहले ही फरवरी से अब तक सोलर सिलिकॉन के दाम 50 प्रतिशत से ज्यादा घट गए थे। बीते साल इंडस्ट्री में सप्लाई चेन का संकट पैदा हो गया था। इसके चलते कुछ मटेरियल की शॉर्टज हो गई थी लेकिन कुछ नई फैक्ट्रियों ने उत्पादन बढ़ाया। इसकी वजह से ये किल्लत कम हो गई और कीमतों में कमी आई। बीते सप्ताह लोंगी के प्रेसिडेंट ली जेंगुओ ने चेतावनी दी थी कि सोलर सप्लाई चेन में तेज विस्तार की वजह से मैन्युफैक्चरिंग क्षमता में काफी बढ़ोतरी हो सकती है। इसकारण कुछ वर्षों में इस सेक्टर की आधे से ज्यादा कंपनियां बिजनेस से बाहर हो सकती हैं। कीमतें कम होने के बाद लोंगी के शेयरों में 2 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट आई।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में कमेंट्री करेंगे कार्तिक

लंदन । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में फ्लॉप रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को इंग्लैंड में अगले माह होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल (डब्ल्यूटीसी) के लिए बतौर कमेंटेटर शामिल कर लिया गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए उन्हें कमेंट्री टीम में जगह मिल गयी है। इस टूर्नामेंट के लिए बनी कमेंट्री टीम में कार्तिक के अलावा महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर और पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री को भी शामिल किया गया है। कमेंट्री टीम में पूर्व श्रीलंकाई कप्तान कुमार संगाकारा के साथ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का नाम भी शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ ही मैथ्यू हेडन और जस्टिन लैंगर भी इस टीम में हैं।

प्रदर्शनकारी पहलवानों के मुद्दे से संवेदनशीलता के साथ निपट रहा है केंद्रः ठाकुर

मुंबई।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को कहा कि कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी पहलवानों के मुद्दे से केंद्र सरकार संवेदनशील तरीके से निपट रही है। ठाकुर ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने जांच के लिए समिति के गठन की पहलवानों की मांग स्वीकार कर ली है और जांच चल रही है। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और संगीता फोगाट सहित ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के कई पदक विजेता पहलवान बृजभूषण की गिरफ्तारी की मां के साथ नयी दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। बृजभूषण पर एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। पहलवानों ने हाल में अपने पदक गंगा में बहाने की धमकी दी थी। ठाकुर ने कहा, ''सरकार प्रदर्शनकारी पहलवानों के मुद्दे से संवेदनशीलता के साथ निपट रही है। पहलवानों ने प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी जो दिल्ली पुलिस ने किया है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने प्रशासकों की समिति का गठन किया है क्योंकि उन्होंने मांग की थी कि पदाधिकारियों को संचालन करने की स्वीकृति नहीं दी जाए। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पहलवानों को मजिस्ट्रेट अदालत में जाने को कहा है। बुधवार को ठाकुर ने विरोध करने वाले पहलवानों को ऐसा कोई कदम नहीं उठाने के लिए कहा जो खेल या खिलाड़ियों को नुकसान पहुंचाए। उन्होंने कहा कि आरोपों की जांच पूरी होने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पहलवानों से धैर्य रखने और शीर्ष अदालत में विश्वास रखने का भी आग्रह किया था।

पटनायक ने तीन फुटबॉल ट्रेनिंग केंद्रों का उद्घाटन किया

भुवनेश्वर ।

उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को भुवनेश्वर में तीन आधुनिक फुटबॉल ट्रेनिंग केंद्रों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पटनायक ने कहा कि ये देश में फुटबॉल प्रशिक्षण के केंद्र के रूप में काम करेंगे। पटनायक ने कहा, ''ओडिशा फुटबॉल अकादमी, भुवनेश्वर फुटबॉल अकादमी और कैपिटल फुटबॉल एरेना का उद्घाटन करना बहुत खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने कहा, ''मुझे भरोसा है कि ये नई सुविधाएं ना केवल युवाओं को फुटबॉल के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेंगी बल्कि देश में फुटबॉल प्रशिक्षण के लिए एक केंद्र के रूप में भी काम करेंगी। इन केन्द्रों के बनने से राज्य में खेलों का बुनियादी ढांचा और बेहतर होगा। इन तीन केंद्रों ओडिशा फुटबॉल अकादमी, भुवनेश्वर फुटबॉल अकादमी और कैपिटल फुटबॉल एरेना के विकास में 90 लाख रुपये का खर्च आया है और इनमें खेल की वैश्विक संस्था फीफा से प्रमाणित छह टर्फ लगे हैं। इसमें पांच प्राकृतिक और एक सिंथेटिक फुटबॉल मैदान, एलईडी फ्लड लाइट, खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम, गैलरी कोच रूम के अलावा अन्य सुविधाएं भी हैं। ये तीनों केंद्र शहर में एक दूसरे के पास स्थित हैं जिससे कई टीमों को एक साथ ट्रेनिंग करने की सुविधा मिलेगी। ये तीन केंद्र राष्ट्रीय अंडर-16 और अंडर-19 टीम, ओडिशा एफसी पुरुष, महिला और युवा और राज्य की सभी टीम पुरुष और महिला दोनों के लिए ट्रेनिंग मैदान भी रहेंगे।

सेविला ने यूरोपा लीग खिताब जीता

बुडापेस्ट ।

सेविला ने एएस रोमा को हराकर यूरोपा लीग फुटबॉल खिताब अपने नाम किया है। गोंजालो मोंटिएल ने फाइनल में पेनल्टी पर गोल दागकर सेविला को यूरोपा लीग फुटबॉल में रोमा पर जीत दिलाई। सेविला का यह सातवां यूरोपा लीग खिताब है। बुडापेस्ट में अतिरिक्त समय के बाद भी मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद पेनल्टी शूट आउट में सेविला ने 4-1 से जीत हासिल की। रोमा की ओर से जियानलुका मेनसिनी और रोजर इबानेज गोल करने में सफल नहीं रहे। मोंटिएल पहले प्रयास में गोल करने से नाकाम रहे थे पर रोमा के गोलकीपर रुई पैट्रिशियो के फाउल के कारण उन्हें एक बार फिर अवसर मिला जिसमें उन्होंने कोई गलती नहीं की। जीत के बाद सेविला के समर्थकों ने टीम ने जमकर जश्न मनाया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत की राह आसान नहीं, ओवल में अच्छा नहीं रहा है रिकार्ड

लंदन ।

इंग्लैंड के ओवल में सात जून से शुरु हो रहे विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली सहित कुछ खिलाड़ी लंदन पहुंच गये हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया की राह आसान नहीं है। भारतीय टीम को पिछली बार खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड ने हराया था। भारतीय टीम का रिकार्ड ओवल में अच्छा नहीं रहा है। इस मैदान पर भारतीय टीम ने अब तक कुल 14 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उसे सिर्फ 2 में जीत और 5 में हार मिली है जबकि 7 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया का भी ओवल के मैदान पर रिकॉर्ड सही नहीं है और उसने 38 मैच में से केवल 7 में जीत दर्ज की है, जबकि 17 मैच में उसे हार मिली है। भारत ऑस्ट्रेलिया के बीच आंकड़ों की बात की जाए, तो दोनों टीमों ने आपस में 106 मुकाबले खेले हैं। इसमें 44 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं, वहीं भारत को 32 मुकाबलों में जीत मिली है। इसके अलावा दोनों के बीच 29 मैच ड्रॉ रहे और एक मुकाबला टाई रहा। टीम इंडिया के लिए राहत की बात ये है कि उसने इस मैदान पर अपना अंतिम मैच जीता था। सितंबर 2021 में खेले गए उस मुकाबले में विराट की कप्तानी में भारतीय टीम ने मेजबान इंग्लैंड को 157 रनों से हराया था। उस मुकाबले में रोहित ने 127 रनों की शतकीय पारी खेली थी और वह प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। भारतीय टीम यह खिताबी मुकाबला पिछले एक दशक से आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म करना चाहेगी। भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में आईसीसी ट्रॉफी जीती थी।

तब उसने चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड को हराया था। उसके बाद से किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में टीम इंडिया जीत नहीं पायी है।

संक्षिप्त समाचार

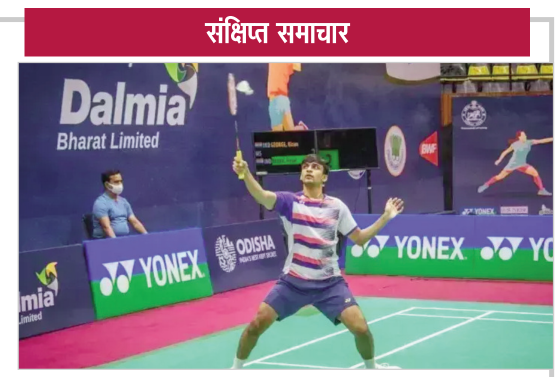

थाईलैंड ओपन : किरण क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, अश्मिता हारी

बैंकॉक । भारत के किरण जॉर्ज ने विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी चीन के वेंग होंग येंग को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। किरण ने चीनी खिलाड़ी येंग को सीधे गेम में 21-11, 21-19 से हराया। दोनो के बीच ये मुकाबला करीब आधे घंटे से अधिक समय तक चला। विश्व के 59वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाले वेंग को हराकर सबको हैरान कर दिया। किरण पहली बार बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। अब किरण का मुकाबला हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस और फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव के बीच होने वाले मैच के विजेता खिलाड़ी से होगा। इससे पहले किरण ने विश्व के नौवें नंबर के खिलाड़ी चीन के ही शी युकी को सीधे गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया था। वहीं महिला एकल में भारत की अश्मिता चालिहा हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। अश्मिता को पूर्व ओलंपिक और तीन बार की विश्व चैंपियन स्पेन की कैरोलिना मारिन ने 18-21 13-21 से हराया.

राशिद चोटिल होने के कारण श्रीलंका के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों से बाहर

कोलंबो । अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर राशिद खान चोटिल होने के कारण श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही एकदिवसीय सीरीज के पहले दो मैचों से बाहर हो गये हैं। राशिद को आईपीएल फाइनल के दौरान ही पीठ में चोट लग गयी थी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने कहा कि राशिद अभी चिकित्सा निगरानी में रहेंगे, और 7 जून को होने वाले अंतिम मैच में वह वापसी कर सकते हैं। राशिद के नहीं होने से मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान और नूर अहमद को स्पिन की जिम्मेदारी निभानी होगी। पिछले महीने ही अफगानिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए हशमतुल्लाह शाहिदी के नेतृत्व में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। दोनो देशों के बीच तीन मैचों की श्रृंखला शुक्रवार शुक्रवार को हंबनटोटा में शुरू होगी। वहीं दूसरा मैच दो दिन बाद हंबनटोटा मैदान पर ही खेला जाएगा। एकदिवसीय श्रृंखला के एक सप्ताह बाद अफगानिस्तान को चटोग्राम में बांग्लादेश के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलना है। राशिद आईपीए में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर थे। उन्होंने गुजरात टाइटंस की ओर से कुल 27 लिए थे।

अब पाक नहीं श्रीलंका में एशिया कप आयोजित करेगा एसीसी

नई दिल्ली ।

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के हाइब्रिड मॉडल के विकल्प को खारिज करते हुए अब ये टूर्नामेंट श्रीलंका में ही आयोजित करने का फैसला किया है। एसीसी ने श्रीलंका में इसके आयोजन की तैयारियां भी शुरु कर दी हैं। 2 सितंबर से 17 सितंबर तक आयोजित किए जाने वाले एशिया कप की मेजबानी पहले पाक के पास थी पर भारतीय टीम के पाक दौरे पर जाने से इंकार करने के बाद इसके आयोजन को लेकर विवाद उठने लगा। पाक बोर्ड (पीसीबी) ने इसके बाद हाइब्रिड मॉडल का विकल्प दिया जिससे एसीसी ने मानने से मना कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने पाक की मेजबानी के बिना ही इस टूर्नामेंट को आयोजित करवाने की योजना बनायी है।

अब अगर पाक को एशिया कप में हिस्सा लेना है तो उसे श्रीलंका में ही खेलना होगा। अगर पाकिस्तान इस विकल्प को स्वीकार करने से मना करता है तो उसे एशिया कप से बाहर ही रहना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल फाइनल के दौरान हुई बैठक में एशिया कप की शेष टीमें पाकिस्तान के बिना खेलने को तैयार हैं। इस साल एशिया कप की मेजबानी का अधिकार पाक क्रिकेट बोर्ड के पास है। पाक के साथ भारत के सुरक्षा सम्बंध सही नहीं हाने की वजह से बीसीसीआई ने अपनी टीम को भेजने से इंकार दिया है। जिसके बाद पीसीबी अध्यक्ष नजीम सेठी ने हाईब्रीड मॉडल भी सुझाया जिसमे कहा गया था, भारतीय टीम अपने सारे मैच पाक से बाहर खेलेगी। लेकिन इसे स्वीकार करने से बीसीसीआई ने मना कर दिया है।

आकाश चोपड़ा ने की शुभमन की तारीफ , विराट से की तुलना

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के लिए शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। शुभमन को गुजरात टाइटंस की ओर से शानदार बल्लेबाजी करते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रनों के लिए औरेंज कैप मिली हैं। आकाश ने शुभमन गिल के आईपीएल 2023 के प्रदर्शन की तुलना साल 2016 के विराट कोहली के प्रदर्शन से की है। कोहली ने साल 2016 में आरसीबी की ओर से 973 रन बनाए थे। तब विराट ने 16 मैचों में 81.08 की औसत से चार शतक और सात अर्द्धशतक भी लगाए थे। वहीं शुभमन ने इसी प्रकार की बल्लेबाजी करते हुए 890 रन बनाए जो कि कोहली के बाद दूसरा सबसे अधिक स्कोर है। शुभमन ने टूर्नामेंट में तीन शतक और चार अर्द्धशतक बनाए और उनका औसत 59.33 रहा। चोपड़ा ने कहा, शुभमन बिल्कुल रोमांचकारी हैं। उनका पिछ्ला सत्र अच्छा था लेकिन यह सत्र जबरदस्त रहा। उन्होंने वैसी ही प्रभावशाली बल्लेबाजी की जैसी कोहली ने साल 2016 में कर अपना दबदबा बनाया था। पूर्व क्रिकेटर ने यह भी कहा कि शुभमन पूरे सत्र में आगे बढ़ते रहे और क्वालीफायर दो में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 129 रनों की पारी के दौरान वह जुनूनी खिलाड़ी बन गये थे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए गावस्कर ने दी टीम इंडिया को सलाह

स्विंग गेंदबाजी पर देर से शॉट खेलें

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने अगले माह सात जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारतीय टीम को टिप्स दिये हैं। गावस्कर के अनुसार इंग्लैंड के हालात अलग होते हैं। वहां गेंद गिरने से पहले ही हवा में भी स्विंग करेगी। इसलिए उसे रुककर खेलना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि इंग्लैंड के हालातों को देखते हुए जितना संभव हो बल्लेबाजों को उतना देर से शॉट खेलने की जरूरत है जिससे कि गेंद स्विंग हो गयी हो। उन्होंने साथ ही कहा कि बल्लेबाजों को शॉट खेलने के लिए गेंद तक पहुंचने की गलती करने से बचना होगा। साथ ही कहा कि शॉट खेलने के लिए गेंद तक पहुंचने की कोशिश नहीं करनी चाहिये पर अच्छी पिच पर खेलते हुए काफी लोग यही गलती करते हैं। उन्होंने गेंदबाजों को फुल लेंथ की गेंद फेंकने की भी सलाह दी है जिससे कि ड्यूक गेंद को स्विंग होने का अवसर मिल सके। गावस्कर ने कहा, 'गेंदबाजी इकाई के रूप में आपको नई गेंद से फुल लेंथ की गेंदबाजी करनी होगी जिससे कि गेंद को हवा और पिच से मूवमेंट मिले।' गावस्कर ने इंग्लैंड के हालातों में खेलते हुए भारत के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इंग्लैंड के हालात चुनौतीपूर्ण होंगे क्योंकि सबसे पहले तो हमें तेज धूप में खेलने की आदत है। जब आप इंग्लैंड में खेलते हैं तो अधिकतर आप ऐसे हालात में खेलते हैं जब सूरज नहीं निकला होता, आसमान में बादल छाए होते है, मौसम ठंडा होता है।' इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'आपको पता है कि भारतीय, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाड़ियों को इस तरह के हालात में खेलने की आदत नहीं होती जिससे थोड़ी दिक्कत हो सकती है।' उन्होंने कहा, 'इस तरह के हालात में पिच पर टप्पा खाने के बाद ही नहीं बल्कि हवा में भी गेंद स्विंग होती है जो भारत में नहीं होता। आपको हवा में स्विंग होती गेंद से तालमेल बैठाने में कुछ समय लग सकता है।' इसलिए विदेशी दौरे में हमेशा अभ्यास मैच खेलने चाहिये जिससे आपको वास्तविक हालातों का अंदाजा होता है।

रायडू को विश्वकप में शामिल न करना गलती थी : कुंबले

कोहली और शास्त्री निशाने पर आये

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अंनिल कुंबले ने कहा है कि बल्लेबाज अंबाती रायडू को 2019 विश्व कप के लिए टीम में शामिल नहीं करना बड़ी गलती थी। कुंबले के अनुसार काफी समय से रायडू को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए तैयार किया गया था और उन्होंने कई अवसरों पर अपने को साबित भी किया था पर इसके बाद भी उन्हें बाहर कर ऑलराउंडर विजय शंकर को जगह मिली। तब कहा गया कि विजय शंकर थ्री डी प्लेयर हैं पर वह टूर्नामेंट में नाकाम रहे। कुंबले के इस बयान के बाद से ही उस समय कप्तान रहे विराट कोहली और मुख्य कोच रवि शास्त्री भी निशाने पर आ गये हैं। विश्व कप के लिए जब टीम इंडिया का चयन किया जा रहा था तो रायडू का नाम पक्का माना जा रहा था पर बाद में उनकी जगह विजय शंकर को टीम में शामिल किया गया। इस घटना के बाद से रायडू काफी हताश हो गए और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा भी कर दी थी। इस पूरे मामले पर कुंबले ने कहा, रायडू को पहले नंबर-4 के लिए तैयार किया गया और फिर उनको टीम में नहीं लिया गया।

कुंबले ने कहा कि ये देखना हैरानी भरा था। साथ ही कहा कि इस पूरे फैसले में कोच और कप्तान की भी अहम भूमिका थी। साल 2019 विश्व कप के घटना के बाद से ही फिर कभी टीम इंडिया में रायडू की वापसी नहीं हो पायी हालांकि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहे थे।

यशस्वी को विराट ने दी टिप्स

लंदन । आईपीएल के 16 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचने वाले राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल अब विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए इंग्लैंड में अभ्यास कर रहे हैं। डब्ल्यूटीसी 7 जून से लंदन के ओवल मैदान पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा। अभ्यास सत्र के दौरान यशस्वी को भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली भी टिप्स देते दिखे। अभ्यास सत्र को लेकर आये वीडियो में ये देखा जा सकता है। इस अभ्यास सत्र के वीडियो को आईसीसी ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस वीडियो में जायसवाल नेट्स में शॉट्स खेलते हुए नजर आ रहे हैं। वह अश्विन के साथ अभ्यास करते हुए नजर आ रहे हैं। अश्विन उन्हें अभ्यास के दौरान कुछ समझाते हुए भी नजर आ रहे हैं। अहम बात ये है कि विराट भी यशस्वी को उनके अभ्यास सत्र के दौरान कुछ टिप्स देते हुए नजर आए। दोनों की साथ में तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारतीय टीम ने स्टैंडबाई खिलाड़ी के रूप में पहले ऋतुराज गायकवाड़ को शामिल किया था पर गायकवाड़ ने अपनी शादी के कारण नाम वापस ले लिया। ऐसे में अब उनकी जगह यशस्वी को शामिल किया गया। यशस्वी ने आईपीएल 2023 में खेले गए 14 मैचों में 48.07 की औसत से 625 रन बनाए। इससे पहले उन्होंने घरेलू क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन किया था।

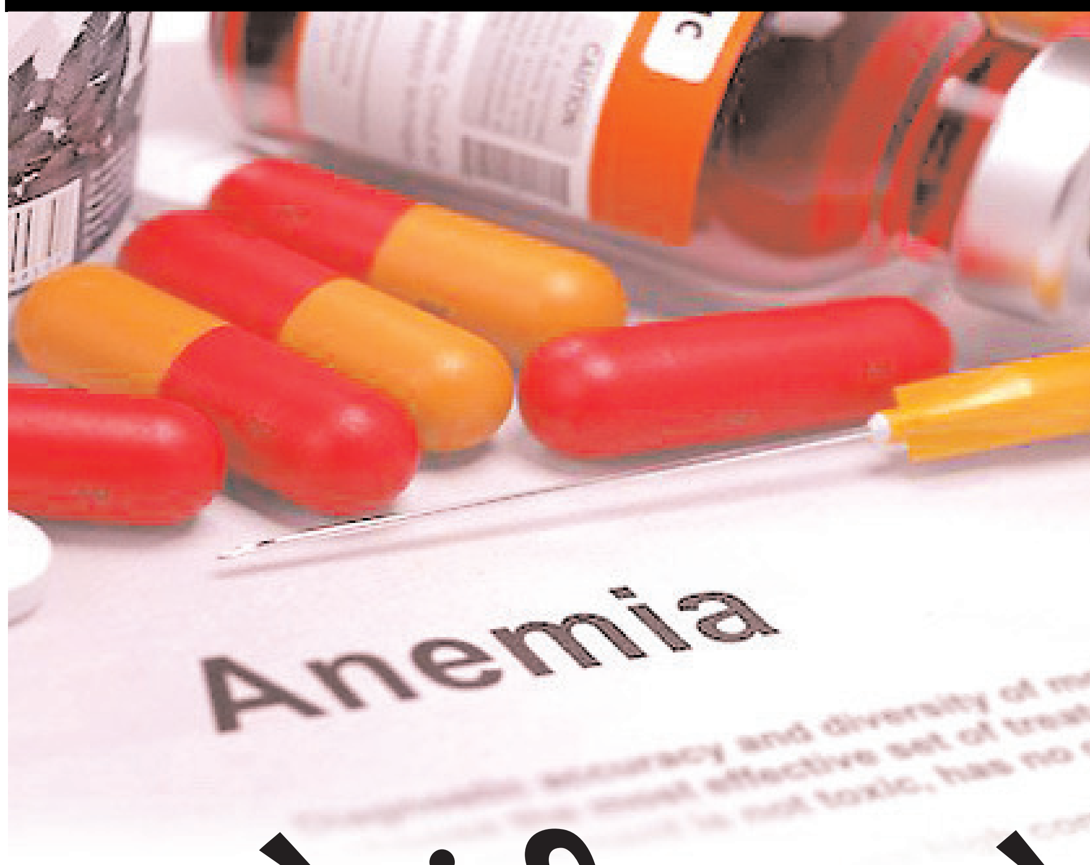

...तो गंभीर रूप ले सकता है अनीमिया

अनीमिया एक ऐसी स्थिति होती है जिसमें शरीर के अंदर खून की कमी हो जाती है। अगर समय रहते इसका निदान न किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए जरूरी है कि आपको अनीमिया, उसके लक्षण व कारणों के बारे में पूरी जानकारी हो। साथ ही यह भी पता हो कि ऐसी कौन-सी चीजें हैं, जिन्हें खाने से अनीमिया को ठीक किया जा सकता है।

अनीमिया के लक्षण

सबसे पहले तो यह जानने की जरूरत है कि किन लोगों को अनीमिया आसानी से अपनी गिरफ्त में ले सकता है। ऐसे लोग जो लंबे समय से किसी बीमारी या इंफेक्शन का शिकार हैं उन्हें अनीमिया आसानी से हो सकता है। अनीमिया के कुछ प्रकार अनुवांशिक होते हैं, लेकिन यह खराब डायट और जीवनशैली की वजह से भी हो सकता है। बात करें इसके लक्षणों की, तो थकान, कमजोरी, त्वचा का पीला होना, दिल की धड़कन का असामान्य होना, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, सीने में दर्द, हाथों और पैरों का ठंडा होना, सिरदर्द आदि अनीमिया की तरफ इशारा करते हैं। इसके अलावा स्टूल के कलर में बदलाव, कम ब्लड प्रेशर, स्किन का ठंडा पड़ना, स्प्लीन का साइज बढ़ना भी अनीमिया के लक्षण हैं।

ये लक्षण भी हैं खतरनाक

सिर, छाती या पैरों में दर्द होना, जीभ में जलन होना, मुंह और गला सूखना, मुंह के कोनों पर छाले हो जाना, बालों का कमजोर होकर टूटना, निगलने में तकलीफ होना, स्किन, नाखून और मसूड़ों का पीला पड़ जाना आदि कुछ ऐसे लक्षण हैं जो अनीमिया के एक गंभीर रूप की ओर इशारा करते हैं। अगर अनीमिया लगातार बना रहे तो डिप्रेशन का रूप ले सकता है।

अनीमिया के प्रकार और कारण

अनीमिया 3 तरह का होता है– माइल्ड, मॉडरेट और सीवियर। अगर बॉडी में हीमोग्लोबिन 10 से 11 के आसपास हो तो इसे माइल्ड अनीमिया कहते हैं। वहीं अगर हीमोग्लोबिन 8 से 9 होता है तो इसे मॉडरेट अनीमिया कहते हैं। जबकि सीवियर अनीमिया में हीमोग्लोबिन 8 से कम होता है। यह एक गंभीर स्थिति होती है, जिसमें मरीज की हालत के अनुसार खून चढ़ाने की भी नौबत आ जाती है। अनीमिया कई वजहों से हो सकता है। जैसे कि हेमरेज होने या फिर लगातार खून बहने की वजह से भी शरीर में खून की कमी हो जाती है। इसके अलावा फॉलिक ऐसिड, आयरन, प्रोटीन, विटमिन सी और बी 12 की कमी हो जाए तो अनीमिया हो सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, अगर फैमिली हिस्ट्री में ल्यूकेमिया या थैलीसीमिया की बीमारी रही है तो फिर उस स्थिति में अनीमिया होने के चांस 50 फीसदी तक बढ़ जाते हैं।

आयरन की कमी से होता है अनीमिया

अनीमिया रक्त संबंधित बीमारी है जो महिलाओं में ज्यादा पायी जाती है। शरीर में आयरन की कमी के कारण यह समस्या होती है। विटमिन बी12, फोलिक ऐसिड, कैल्शियम युक्त आहार आदि इससे बचाव करते हैं। इन चीजों से इस बीमारी के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

रोज खाएं चुकंदर – चुकंदर में आयरन की भरपूर मात्रा होती है, इसे खाने से शरीर में खून की कमी नहीं होती। इसको रोज अपने खाने में सलाद या सब्जी बनाकर प्रयोग करने से शरीर में खून बनता है। चुकंदर की जड़ों को भी प्रयोग कर सकते हैं, इसमें विटमिन ए और सी होता है।

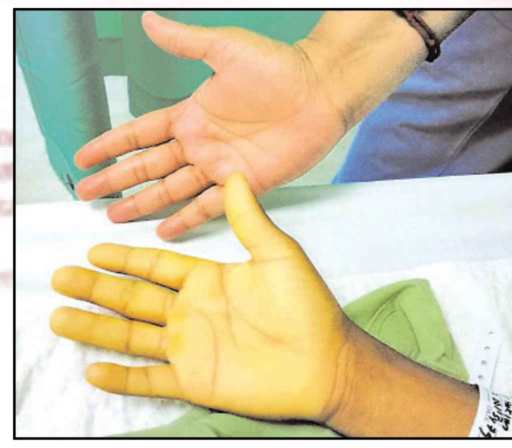

अंजीर खाएं – अनीमिया के लिए अंजीर काफी फायदेमंद माना जाता है। अंजीर में विटमिन बी12, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फॉरस, पोटैशियम जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं जो खून की कमी को दूर करते हैं। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी मददगार है।

टमाटर का सूप पिएं – टमाटर में विटमिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें बीटा केरोटिन और विटमिन ई भी पाया जाता है जो आयरन की कमी को दूर करता है। टमाटर को सलाद के अलावा इसका सूप भी पी सकते हैं।

अंडा खाएं – अंडे में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है, यह एक अच्छा ऐंटिऑक्सिडेंट भी है जो शरीर को बीमारियों से बचाकर आयरन की कमी दूर करने में मदद करता है। एक बड़े अंडे में 1 ग्राम आयरन होता है जो खून की कमी दूर करता है। अंडे को ब्रेकफस्ट में शामिल कर खून की कमी दूर करें।

आयरन से भरपूर अनार – अनार ऐसा फल है जिसमें विटमिन सी और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अनार का सेवन करने से शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है और यह अनीमिया से लड़ने में भी मदद करता है। इसके अलावा अनार कमजोरी और थकान को भी दूर करता है।

फल और सब्जियां ज्यादा खायें – अनीमिया से ग्रस्त लोगों को यह सलाह दी जाती है कि वे फल और हरी सब्जियां ज्यादा खाएं। फल जैसे खजूर, तरबूज, सेब, अंगूर, आदि खाने से शरीर में खून तेजी से बढ़ता है और अनीमिया की शिकायत दूर होती है।

अनीमिया के बारे में खास बातें

अनीमिया मुख्य रूप से तीन तरह का होता है, लेकिन सबसे आम आयरन की कमी से होने वाला अनीमिया है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 90 फीसदी लोगों में यही अनीमिया होता है।

कुछ लोग आइस क्यूब बहुत खाते हैं। अगर ऐसा है तो फिर यह अनीमिया का लक्षण हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अनीमिया की एक खास क्वॉलिटी भी होती है। अनीमिया मुख्य रूप से आयरन की कमी से होता है और जब शरीर में आयरन कम हो जाता है तो इंफेक्शन पैदा होने का खतरा नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर बैक्टीरिया अपनी पावर बढ़ाने के लिए आयरन पर निर्भर होते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, गर्भवती महिलाओं में अनीमिया होने का अत्यधिक खतरा रहता है। दुनियाभर में 40 फीसदी गर्भवती महिलाओं को अनीमिया होता है। वैसे तो गर्भवती महिलाओं में 20 से 30 फीसदी अधिक ब्लड सप्लाई होता है ताकि गर्भ में पल रहे बच्चे को ज्यादा मात्रा में ऑक्सीजन मिले। लेकिन ऐसा हमेशा संभव नहीं हो पाता कि गर्भवती महिलाओं के शरीर में इतनी अत्यधिक मात्रा में ब्लड प्रड्यूस हो।

वजन करना है कम या बीपी रखना है नॉर्मल तो रोज सुबह पिएं गर्म पानी

शरीर के लिए पानी कितना अहम है इसके बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर रोज सुबह खाली पेट आप गर्म पानी पिएं तो हेल्थ को कई फायदे होते हैं।

पाचन रहे दुरुस्त

गर्म पानी पाचन में मदद करता है। ऐसा खाना जिसे पेट आसानी से पचा नहीं पा रहा हो उसे ब्रेक करने और पचाने में गर्म पानी काफी मदद करता है, इससे पेट साफ रहता है और पाचन संबंधी कोई और समस्या परेशान नहीं करती।

वेट लॉस

पाचन दुरुस्त रहे तो वेट लॉस में भी मदद मिलती है। साथ ही में गर्म पानी फैट लॉस में भी मदद करता है।

पेट दर्द व मरोड़ में राहत

पेट दर्द होने पर या मरोड़ चलने पर भी गर्म पानी काफी राहत देता है। हालांकि इसका ध्यान रहे कि पानी को धीरे–धीरे पिएं, एकदम से गर्म पानी पीना नुकसान कर सकता है। वहीं रोज सुबह गर्म पानी पिएंगे तो ये परेशानियां होंगी ही नहीं।

ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है

सुबह गर्म पानी पीने से ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को सुधारने में भी मदद मिलती है, यह बीपी को नॉर्मल रखने में भी मदद करता है।

गला रहेगा साफ

अक्सर सुबह उठने पर लोग कफ की शिकायत करते हैं, ऐसे में गर्म पानी पीने पर उन्हें राहत महसूस होगी। गर्म पानी कफ की समस्या को दूर कर गले को साफ रखता है।

बॉडी होगी टॉक्सिन फ्री

शरीर के टॉक्सिन को बॉडी से बाहर निकालने में भी गर्म पानी काफी मदद करता है। यह न सिर्फ हेल्थ पर पॉजिटिव असर डालता है बल्कि स्किन पर भी ग्लो लाता है।

बेवजह न करें ऐंटिबायॉटिक्स का इस्तेमाल

बारिश का मौसम वैसे तो इंजॉय करने वाला मौसम होता है लेकिन अकसर यह बीमारियों वाला मौसम साबित हो जाता है। बरसात होने के बाद तपती गर्मी से राहत तो मिलती है लेकिन उमस के कारण इस मौसम में बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। इस कारण इस मौसम में कई बीमारियां फैलती हैं।

बरसात के मौसम में पानी से फैलने वाली बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। ऐसे में ठीक होने के लिए लोग ऐंटिबायॉटिक्स का सहारा लेते हैं। अकसर लोग बिना डॉक्टर की सलाह के ही ऐंटिबायॉटिक्स ले लेते हैं। अगर आप भी बीमार पड़ने पर बिना डॉक्टर से पूछे ऐंटिबायॉटिक्स दवाइयां खाते हैं तो सावधान हो जाइए। आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बेवजह ऐंटिबायॉटिक्स का इस्तेमाल आपको अन्य बीमारियों के प्रति असुरक्षित बना सकता है क्योंकि इससे कई अच्छे बैक्टीरिया मर जाते हैं। ज्यादा इस्तेमाल से शरीर में ऐंटिबायॉटिक्स के लिए प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ जाती है। ऐसे में हो सकता है कि जरूरत पड़ने पर शरीर को इसका फायदा न पहुंचे। बेवजह ऐंटिबायॉटिक्स खाने से बेहतर होगा कि आप बारिश के मौसम में होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक रहें और उनसे बचने की कोशिश करें।

सरहद के 'जाल' में फंसे मछुआरे, पाक जेल से आज 200 लोगों के दूसरे जत्थे को किया जाएगा रिहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जलसीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किए गए 200 भारतीय मछुआरों के एक और जत्थे को आज कराची की जिला जेल मालिर से रिहा किया जाएगा। पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा रिहा किए जाने वाले भारतीय मछुआरों का यह दूसरा जत्था है। मछुआरों को वाघा सीमा पर भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। 12 मई को मलिर जेल से 198 भारतीय मछुआरों को रिहा किया गया। शुरुआत में पहले बैच में भी 200 को रिलीज किया जाना था। लेकिन उनमें से दो की रिहाई के कुछ दिन पहले ही जेल में मौत हो गई – 6 मई को जुल्फिकार और 9 मई को सोमा देवा। रिपोर्ट में कहा गया कि दोनों काफी समय से अस्वस्थ थे। 100 भारतीय मछुआरों के तीसरे जत्थे को संभवत- 3 जुलाई को रिहा किया जाएगा।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन एक बार फिर कोविड से हुए संक्रमित

सिंगापुर । सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग एक बार फिर कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। ली ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर लिखा कि मैं ठीक महसूस कर रहा हूं, लेकिन मुझे डर है कि मैं फिर कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आ गया हूं। 'मीडिया में आई खबरों के अनुसार, प्रधानमंत्री ली ने कहा ?कि मेरे डॉक्टरों का कहना है कि मैं संक्रमण से उबरने के बाद संभवत: एक बार फिर इसकी चपेट में आ गया हूं। पांच से 10 प्रतिशत मामलों में ऐसा होता है।' पीएम ली (71) ने बताया कि वह 'उनसे अब भी संक्रमण फैलने का खतरा है, हालांकि प्रारंभिक संक्रमण की तुलना में यह काफी कम है।' पीएम ली ने कहा कि उनके चिकित्सकों ने एआरटी जांच में उनके संक्रमण मुक्त होने की पुष्टि होने तक उनसे पृथक रहने के लिए कहा है। ली दक्षिण अफ्रीका और केन्या की यात्रा के बाद 22 मई को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। उन्होंने 28 मई को फेसबुक पर संक्रमण मुक्त होने की जानकारी दी थी। ली ने लिखा था, 'मैं संक्रमण मुक्त हो गया हूं और सोमवार को काम पर लौट आऊंगा। उन्होंने शुभकामनाएं भेजने वालों का शुक्रिया अदा किया है।

चीन ने मस्जिद भी गिराई और अब विरोध करने वालों पर कसेगा शिकंजा

– 6 जून तक का दिया समय, सरेंडर नहीं किया तो होगी कार्रवाई

बीजिंग । चीन ने अपने दक्षिण पश्चिम प्रांत युन्नान में 13वीं सदी में बनी ऐतिहासिक मस्जिद को गिरा दिया है। इस मस्जिद को गिराने की कार्रवाई का स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने तीखा विरोध भी किया था, लेकिन उन्हें सैकड़ों की संख्या में मौजूद पुलिसकर्मियों ने रोक दिया। युन्नान के नागु शहर में बनी इस मस्जिद की एक गुंबद और 4 मीनारों को जमींदोज किया गया है। चीनी प्रशासन का कहना था कि इनका निर्माण अवैध तौर पर किया गया है। 10 हजार वर्ग फुट में बनी इस मस्जिद की ऐतिहासिकता से समझा जा सकता है कि मुस्लिम समुदाय में इसे गिराने को लेकर गुस्सा क्यों है। हालांकि चीन सरकार यहीं पर रुकने वाली नहीं है। युन्नान प्रांत के प्रशासन ने मस्जिद गिराने की कार्रवाई को रोकने की कोशिश करने वालों को दंगाई माना है। यही नहीं प्रशासन ने इन लोगों से कहा कि इन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि ये लोग खुद ही 6 जून तक सरेंडर कर देते हैं तो फिर कार्रवाई नहीं करेंगे। युन्नान प्रांत में बड़ी संख्या में हुई मुस्लिम समुदाय के लोग रहते हैं। ये लोग उइगुर मुस्लिमों से थोड़ा अलग हैं। दरअसल चीन की कम्युनिस्ट सरकार का धार्मिक संगठनों को लेकर सख्त रुख रहा है और वह उन्हें खुलकर धर्म का प्रचार करने की अनुमति देने की हिमायती नहीं रही है।

सालभर में हाईटेक हथियारों की बिक्री 150 फीसदी बढ़ि : रिपोर्ट

– दक्षिण-पूर्व एशिया में दक्षिण कोरिया नई तकनीक के हथियारों का बन रहा है सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता

नई दिल्ली । दक्षिण-पूर्व एशिया में दक्षिण कोरिया नई तकनीक के हथियारों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश बन रहा है। विश्लेषकों ने कहा है कि मलेशिया द्वारा हाल ही में की गई खरीद के बाद दक्षिण कोरिया दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है। दक्षिण कोरिया के हाईटेक और किफायती उपकरणों की क्षेत्र में मांग बढ़ी है। मलेशिया के रक्षा मंत्रालय ने पिछले हफ्ते कहा था कि उसने इस साल 2.28 अरब अमेरिकी डॉलर के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत कोरिया एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (केएआई) से 18 एफए-50 हल्के लड़ाकू विमानों की खरीद का डील भी शामिल है। साउथ चाइना के उब अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया के हथियारों की बड़ी खेप खरीदने वाले देशों में फिलिपीन्स और इंडोनेशिया बड़े खरीदार बनकर उभरे हैं। ये दोनों देश क्रमश: दक्षिण कोरिया के कुल हथियार बिक्री का 16 और 14 फीसदी हिस्सा खरीद रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2017 से 2021 तक दक्षिण कोरिया ने अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को 2 अरब अमेरिकी डॉलर से थोड़े कम मूल्य के हथियार भेजे हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार दक्षिण कोरिया की कुल हथियारों की बिक्री 2021 में 7.25 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर पिछले साल 17 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई, क्योंकि पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को हथियार आपूर्ति करने का फैसला किया। इसके अलावा दक्षिण चीन सागर में तनातनी और उत्तर कोरिया के हॉटस्पॉट बनने से इलाके में तनाव बढ़ने से भी हथियारों की बिक्री में इजाफा हुआ है। सिंगापुर स्थित आईएसईएएस-युसोफ इशाक संस्थान के वरिष्ठ फेलो इयान स्टोरी का कहना है कि दक्षिण कोरिया दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए एक आकर्षक विकल्प इसलिए बना क्योंकि प्रमुख शक्तियों के विपरीत, सियोल इस क्षेत्र में घरेलू हथियार उद्योगों के विकास का समर्थन करने और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करने को तैयार था। दक्षिण कोरियाई हथियार हाई-टेक हैं और पश्चिमी रक्षा उपकरणों की तुलना में सस्ते हैं। उन्होंने कहा कि सियोल की रक्षा कंपनियां दक्षिण पूर्व एशिया में हथियारों की बिक्री में अपनी हिसेदारीसा बढ़ाना जारी रखेंगी।

अब लैब में पैदा होंगे डिजाइनर बच्चे

– जापान के वैज्ञानिकों ने किया दावा

टोक्यो । जापान के वैज्ञानिकों ने लैब में बच्चे पैदा करने वाले रिसर्च में सफलता प्राप्त कर ली है। जापान के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि उन्होंने लैब में अंडाणु और शुक्राणु बनाने में सफलता हासिल कर ली है। उनका कहना है कि मानव के लिए यह पांच साल में संभव हो पाएगा। दरअसल वैज्ञानिकों को लैब में चूहों में शुक्राणु और अंडाणु बनाने में सफलता मिली है।क्यूशू विश्वविद्यालय के एक जापानी वैज्ञानिक प्रोफेसर कत्सुहिको हयाशी, जिन्होंने पहले ही चूहों में प्रक्रिया का पता लगा लिया है, का मानना है कि वह मनुष्यों में इस तरह के सफल प्रयोग कर परिणाम प्राप्त करने से सिर्फ पांच साल दूर है। उन्होंने कहा है कि अब मानव पर इन परिणामों को लागू करने की जरूरत है। इस रिसर्च को नेचर जर्नल में इस मार्च में प्रकाशित किया गया था। साल 2028 तक लैब में बच्चा पैदा होना हकीकत बन जाएगा। प्रोफेसर कत्सुहिको ने बताया कि जिस तकनीक का इस्तेमाल चूहों पर किया गया है, जल्द ही उसका इस्तेमाल इंसानी कोशिकाओं पर किया जाएगा। इस तकनीक से दो पुरुष भी पिता बन सकते हैं। मतलब समलैंगिक पुरुष भी पिता बन सकते हैं।बता दें कि प्रोफेसर कत्सुहिको और उनकी टीम ने हाल ही में यह कारनामा अपने नाम किया। उन्होंने लैब में सात चूहे विकसित किए हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि उनके जैविक माता-पिता दोनों ही नर चूहे थे। प्रोफेसर कत्सुहिको ने बताया कि इस रिसर्च में नर चूहे की त्वचा कोशिकाओं का इस्तामाल कर अंडाणु और शुक्राणु बनाया गया। प्रयोगशाला में मानव शुक्राणु और अंडाणु विकसित करने की क्षमता को इन विट्रो गैमेटोजेनेसिस कहा जाता है। इन विट्रो गैमेटोजेनेसिस में किसी व्यक्ति के खून या त्वचा से कोशिकाओं को लेकर सेल बनाई जाती है। यह कोशिकाएं अंडाणु और शुक्राणु कोशिकाओं सहित शरीर में कोई भी कोशिका बन सकती हैं। फिर इनका उपयोग भ्रूण बनाने और महिलाओं के गर्भ में प्रत्यारोपित करने के लिए किया जा सकता है। वैज्ञानिक इस सफल रिसर्च के बाद से मानव शुक्राणु और अंडाणु बनाने के बेहद करीब पहुंच गए हैं, लेकिन अभी तक भ्रूण नहीं बना पाए हैं।प्रोफेसर कत्सुहिको ने बताया कि इसका एक बड़ा फायदा यह होगा कि किसी भी उम्र की महिला के पास बच्चा होगा।

उत्तरी कोरिया में कोलसन काउंटी स्थल से नये कोलिमा-1 रोकेट को दागा गया।

एलल मस्क के बयान को मेटा के एआई वैज्ञानिक ने बताया बेहूदा

सैन फ्रांसिस्कों । मेटा के एआई वैज्ञानिक ने एलन मस्क के उस बयान को बेहूदा बताया है जिसमें एलन ने एआई को मानवता को तबाह करने वाला कह दिया था। जानकारी के अनुसार फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के मुख्य एआई वैज्ञानिक और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर यान लकुन ने एलन मस्क के उस बयान को 'बेहूदा' बताया है जिसमें उन्होंने कहा था कि एआई में मानवता को तबाह करने की क्षमता है। ट्विटर और टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने एक पूर्व पत्रकार से बातचीत के दौरान कहा था कि एआई एक खराब तरीके से डिजाइन किए गए एयरक्राफ्ट से ज्यादा खतरनाक है। बकौल मस्क, कोई इस संभावना को कितना भी कम आंके लेकिन ये कोई छोटी बात नहीं है। यह (एआई) मानवता को तबाह करने की क्षमता रखता है। इस पर लकुन ने प्रतिक्रिया देते हुए वेंचर कैपिटलिस्ट हैरी स्टेबिंग्ल के पॉडकास्ट में कहा कि यह पूरी तरह गलत है। ऐसा लगता है कि मस्क और कुछ अन्य लोग निक बॉस्ट्रम्स की किताब 'सुपरइंटेलिजेंस' या एलिजर यूदोक्रोस्कि के लेख पढ़कर ऐसी बाते कर रहे हैं। गौरतलब है कि मस्क एआई के खतरे को लेकर काफी मुखर रहे हैं। चैट जीपीटी के आने के बाद उन्होंने खुलकर बोलना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह एकदम फालतू बात है, क्योंकि पूरे ब्रह्मांड में ऐसी कोई प्रक्रिया नहीं है जो सिर्फ बहुत तेजी से ऊपर की ओर ही बढ़ती रहे। उन सिस्टम्स (एआई मशीन) को दुनियाभर के सारे संसाधनों की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए उन्हें अथाह शक्ति और प्रभुत्व देना होगा। उन्होंने कहा कि बस इसलिए कि एआई मनुष्य से ज्यादा समझदार होगा इसका मतलब यह नहीं कि वह मानवता पर नियंत्रण करना चाहेगा। लकुन इस मुद्दे पर जॉफरी हिन्टन से भी बात करना चाहते हैं। जॉफरी हिन्टन को एआई का जनक माना जाता है और उसके खतरे को लेकर ही हाल में उन्होंने गूगल से इस्तीफा दे दिया था।

विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मिले एस जयशंकर, रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष पर दे दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात की और द्विपक्षीय और वैश्विक हितों के मुद्दों पर चर्चा की। पांच देशों के समूह ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां आए जयशंकर ने ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर लावरोव के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने रूस और यूक्रेन के युद्ध को लेकर भी अहम बयान दिया है। उन्होंने यूक्रेन-रूस के संघर्ष के समाधान के लिए शुरुआती दिन बताया है।

जयशंकर ने एक ट्वीट में कहा कि ब्रिक्स एफएमएम के मौके पर आज सुबह केप टाउन में रूस के एफएम सर्गेई लावरोव से मिलकर अच्छा लगा। हमारी चर्चा में द्विपक्षीय मामले, ब्रिक्स, जी20 और एससीओ शामिल हैं। भारत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और जी-20 शिखर सम्मेलन क्रमशः जुलाई और सितंबर में आयोजित करेगा। पिछले कुछ महीनों में भारत रूस से रियायती कच्चे तेल का प्रमुख आयातक बन गया है। इसके बावजूद पश्चिम में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के मद्देनजर खरीद को लेकर बेचैनी बढ़ रही है। रूस के साथ भारत के आर्थिक संबंध पिछले एक साल में बड़े पैमाने पर बढ़े हैं, जिसका मुख्य कारण रूस से रियायती तेल की खरीद है।

भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा नहीं की है और वह बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के समाधान पर जोर दे रहा है। जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष के समाधान के लिए ये अभी भी शुरुआती दिन हैं। वर्तमान में अनाज, परमाणु मुद्दों और युद्ध के कैदियों के आदान-प्रदान से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इससे पहले पिछले महीने ही गोवा में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने द्विपक्षीय वार्ता के लिए अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान दोनों मंत्रियों के बीच कुछ हंसी-ठिठोली का माहौल देखा गया था।

शी जिनपिंग की देश के लोगों को चेतावनी, खराब हालातों के लिए तैयार रहें

बीजिंग (एजेंसी)। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि चीन अधिक जटिल और कठिन सुरक्षा चिंताओं का सामना कर रहा है। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ बढ़ते तनाव के बीच नागरिकों को सबसे खराब स्थिति के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी थी। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग की बैठक की अध्यक्षता करने वाले शी ने कहा कि देश द्वारा सामना की जाने वाली राष्ट्रीय सुरक्षा समस्याओं की जटिलता और गंभीरता में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा मोर्चे को रणनीतिक आत्मविश्वास का निर्माण करना चाहिए, जीत हासिल करने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास होना चाहिए और अपनी ताकत और फायदे के बारे में गहराई से जागरूक होना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि हमें सबसे खराब स्थिति और चरम स्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि हमें तेज़ हवाओं, पानी और यहां तक कि खतरनाक तूफानों की बड़ी परीक्षा का सामना करने के तैयार रहना चाहिए। हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली और क्षमता को आधुनिक बनाने के लिए और अधिक प्रयास किए जाने चाहिए और वास्तविक लड़ाई और व्यावहारिक समस्याओं से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम निगरानी और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के निर्माण में तेजी लाने पर दिशानिर्देश और राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में व्यापक सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करने के दिशानिर्देश हित दस्तावेजों पर विचार-विमर्श किया गया और उन्हें अपनाया गया।

उपग्रह प्रक्षेपण की नाकामी पर किम जोंग उन की बहन ने अमेरिका को घेरा

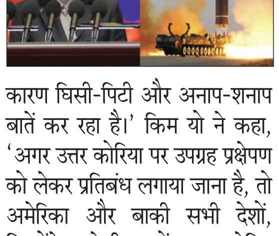

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने एक जासूसी उपग्रह के प्रक्षेपण में असफल रहने के लिए अमेरिका को घेरा है। किम की बहने ने उनके देश की आलोचना करने को लेकर बृहस्पतिवार को अमेरिका पर निशाना साधते हुए 'गैंगस्टर जैसा' पाखंड करने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जल्द ही (उपग्रह का) सफल प्रक्षेपण किया जाएगा। दरअसल, उत्तर कोरिया ने बुधवार को एक जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने का प्रयास किया था, लेकिन वह इसमें नाकाम रहा था। प्रक्षेपण के तत्काल बाद अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने उत्तर कोरिया की आलोचना की थी। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एडम हॉग ने कहा था कि वाशिंगटन उत्तर कोरिया की ओर से जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण की कड़ी निंदा करता है, क्योंकि उसने प्रतिबंधित बैलिस्टिक मिसाइल तकनीक का प्रयोग किया, तनाव बढ़ाया और क्षेत्र में व अन्य जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था को अस्थिर करने का खतरा पैदा किया। किम जोंग उन की बहन किम यो ने हॉग के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका 'अपनी विकृत सोच के कारण घिसी-पिटी और अनाप-शनाप बातें कर रहा है।' किम यो ने कहा, 'अगर उत्तर कोरिया पर उपग्रह प्रक्षेपण को लेकर प्रतिबंध लगाया जाना है, तो अमेरिका और बाकी सभी देशों, जिन्होंने पहले ही हजारों उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं, उनकी भी निंदा की जानी चाहिए। यह आत्म-विरोधाभास से जुड़े कुतर्क के अलावा और कुछ नहीं है।'

उन्होंने कहा कि लंबे वक्त से तर्क दिया जा रहा है कि केवल उत्तर कोरिया को बैलिस्टिक रॉकेट प्रणाली के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले संयुक्त रष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार ऐसा करने की अनुमति नहीं है, जबकि अन्य देश ऐसा कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से गैंगस्टर जैसा बर्ताव और अंतरिक्ष का इस्तेमाल करने के उत्तर कोरिया के अधिकार का उल्लंघन है। किम यो ने जोर देकर कहा कि उत्तर कोरिया अपने जासूसी उपग्रह को जल्द अंतरिक्ष की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित करेगा।

अमेरिका में बोले राहुल, मैं शायद पहला आदमी हूं जिसे इतनी बड़ी सजा मिली

केलिफोर्निया (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा है कि मैं शायद भारत का पहला आदमी हूं जिसे मानहानि की इतनी बड़ी सजा मिली। बता दें कि राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका दौरे पर हैं। राहुल ने गुरुवार को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अपनी लोकसभा सदस्यता रद्द होने पर अपनी बात रखी। राहुल ने कहा, मैं शायद भारत में मानहानि के मामले में सबसे ज्यादा सजा पाने वाला व्यक्ति हूं। मैंने कभी सोचा नहीं था कि कभी ऐसा कुछ होगा। राहुल ने कहा, अभी मैंने अपना परिचय सुना। इसमें मुझे पूर्व सांसद कहा गया। राहुल ने कहा, जब मैंने 2004 में राजनीति शुरू की थी, तो कभी नहीं सोचा था कि देश में कभी ऐसा देखूंगा, जो अभी हो रहा है। राहुल ने लोकसभा सदस्यता रद्द होने की घटना का जिक्र करते हुए कहा किमुझे लगता है कि अब मेरे पास बड़ा अवसर है। शायद उस अवसर से बड़ा जो मुझे संसद में बैठकर मिलता। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि ये ड्रामा 6 महीने पहले शुरू हुआ था। भारत में विपक्ष संघर्ष कर रहा है। संस्थानों पर बीजेपी का कब्जा है। हम इससे लोकतांत्रिक तरीके से लड़ रहे हैं। जब हमने देखा कि कोई भी संस्थान हमारी मदद नहीं कर रहा है, तब हम सड़कों पर गए और इसलिए भारत जोड़ो यात्रा हुई।

राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्होंने (प्रशासन ने) मुझसे कहा कि देखो अगर तुम कश्मीर जाओगे और 4 दिन पैदल चलोगे तो हो सकता है कि तुम मारे जाओ लेकिन मैंने उनसे कहा कि ऐसा हो जाने दो। मैं देखना चाहता था कि कौन मुझपर ग्रेनेड फेंकेगा। सुरक्षाकर्मी, प्रशासन के लोग मुझे देख रहे थे और मुझे उनका चेहरा देखकर ऐसा लगा कि वे समझ नहीं पाए कि मैं क्या कह रहा हूं? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दूसरे व्यक्ति के पास कितना बल है, लेकिन आपको जीवन में दृढ़ रहना होगा। राहुल ने कहा कि संबंध अभी ठीक नहीं है। उन्होंने हमारे कुछ क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। यह कठिन है। यह बहुत आसान नहीं है। भारत को इधर-उधर नहीं धकेला जा सकता। यह कुछ होने वाला नहीं है।

राहुल गांधी से पूछा गया कि रूस पर भारत के तटस्थ रुख का क्या वे समर्थन करते हैं? इस पर राहुल ने कहा, रूस के साथ हमारे संबंध हैं, रूस पर हमारी कुछ निर्भरताएं हैं। इसलिए मैं भारत सरकार के समान ही रुख रखूंगा। राहुल गांधी को मोदी सरनेम पर 2019 में दिए एक भाषण को लेकर सूरत कोर्ट ने इसी साल मार्च में मानहानि मामले में दोषी पाया था। कोर्ट ने राहुल को 2 साल की सजा सुनाई। इसके बाद राहुल की लोकसभा सदस्यता रद्द हो गई।

माइक पेंस आयोवा से करेंगे राष्ट्रपति चुनाव अभियान की शुरुआत

न्यूयॉर्क । अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस रिपब्लिन पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए अगले सप्ताह आयोवा से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। पेंस के रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए दावेदारी पेश करने के बाद पार्टी में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने एक और प्रतिद्वंद्वी खड़ा हो गया है। पेंस द्वारा प्रचार अभियान शुरू करने की आधिकारिक घोषणा से पहले उनके दो करीबियों ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि पूर्व उपराष्ट्रपति सात जून को अपने 64वें जन्मदिन के अवसर पर डेस मोइनेस में एक सभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि पेंस अपने राष्ट्रपति चुनाव अभियान से पहले समर्थकों के लिए एक वीडियो संदेश भी जारी करेंगे।

अफ्रीकी देश बोत्सवाना खरीदेगा भारत के तेजस लड़ाकू विमान, एचएएल से हो रही डील

गोबोर्नी (एजेंसी)। भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस को खरीदने के लिए अफ्रीकी देश बोत्सवाना योजना बना रहा है। इसके लिए बोत्सवाना डिफेंस फोर्स के अधिकारी तेजस का निर्माण करने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ बातचीत चल रही है। गौरतलब है कि बोत्सवाना, तेजी से विकसित हो रहे भारत के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, ताकि अपनी सेना को अत्याधुनिक बना सके। अभी तक अफ्रीकी देश तुर्की, चीन और रूस के बड़े रक्षा खरीदार बने हुए हैं। ऐसे में तेजस लड़ाकू विमानों की डील फाइनल होने से भारत को अफ्रीका में एक नया बाजार मिल सकेगा। बोत्सवाना दक्षिण अफ्रीकी देश है, जो चारों ओर से जमीन से घिरा है। इसके पड़ोसी देशों में जिम्बाब्वे, जाम्बिया, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। बोत्सवाना भी भारत की तरह ब्रिटेन का गुलाम रह चुका है। इसे ब्रिटिश राज से आजादी 30 सितंबर 1960 को मिली थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोत्सवाना 2013 से अपने पुराने लड़ाकू विमान के बेड़े को बदलने की कोशिश कर रहा है। बोत्सवाना डिफेंस फोर्स वर्तमान में 1996 में कनाडा से मिले लगभग 3 नॉर्थ्रॉप/कनाडेयर सीएफ-5डी फाइटर ट्रेनर विमान और 10 की संख्या में सीएफ-5ए फाइटर जेट का इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे में बोत्सवाना डिफेंस फोर्स में कुल विमानों की संख्या 13 है। इन विमानों को 50 के दशक में डिजाइन किया गया था और 60 के दशक में बनाया गया था। इनमें से अधिकतर विमान लंबे समय से रिटायर हैं, क्योंकि उनके पाट्र्स के उत्पादन पहले ही बंद हो चुके हैं। जो विमान चालू हालात में हैं, उनका रखरखाव लगातार महंगा होता जा रहा है।

तेजस लड़ाकू विमान भारत के स्वदेशी रूप से विकसित लाइट कॉम्बेट एयरक्राफ्ट प्रोग्राम का परिणाम है। यह विमान अपनी अडवांस टेक्नोलॉजी और कटिंग एज तकनीक को लेकर पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। तेजस लड़ाकू विमान खरीदने में बोत्सवाना की रुचि इस?लिए भी है क्योंकि वह अपनी वायु सेना की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। बोत्सवाना चारों ओर से जमीन से

घिरे होने के कारण लड़ाकू विमानों की ताकत को अच्छे से समझता है। ऐसे में तेजस में बोत्सवाना को हर वो खूबियां दिखी है, जो उसे अपनी वायु सेना को ताकतवर बनाने के लिए चाहिए।

पंजाब और दिल्ली में जेड प्लस सुरक्षा लेने से सीएम मान का इंकार

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र द्वारा स्वीकृत की गई जेड प्लस सुरक्षा लेने से मना कर दिया है। इस लेकर उन्होंने केंद्र सरकार को एक पत्र लिखा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखे पत्र में सीएम ने पंजाब और दिल्ली की सुरक्षा लेने से इनकार करते हुए कहा है कि इन दोनों जगहों पर उन्हें पंजाब पुलिस की विशेष सुरक्षा प्राप्त है। केंद्र सरकार ने करीब एक सप्ताह पहले मुख्यमंत्री मान को जेड प्लस सुरक्षा प्रदान को मंजूरी देकर पूरा सुरक्षा कवच प्रदान करने को कहा था। केंद्र ने सीआरपीएफ को निर्देश दिए थे कि वह पंजाब के मुख्यमंत्री मान को तत्काल प्रभाव से अखिल भारतीय आधार पर 'जेड प्लस' सुरक्षा कवर प्रदान करे। पंजाब पुलिस सुरक्षा के अलावा जेड सुरक्षा कवर मुख्यमंत्री के घर और परिवार के करीबी सदस्यों को सुरक्षित रखने के लिए स्वीकृत किया गया था। सीमावर्ती राज्य में खालिस्तानी गतिविधियों के मद्देनजर मुख्यमंत्री को खतरे की धारणा पर रिपोर्ट तैयार करने के दौरान केंद्रीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मान के लिए इस तरह के सुरक्षा कवर की सिफारिश की थी। सीआरपीएफ द्वारा इसके लिए 55 सशस्त्र जवानों की एक टीम सीएम मान के घर भेजी जानी थी। गौरतलब है कि मार्च में सीएम मान की बेटी को कथित तौर पर खालिस्तान समर्थक तत्वों से धमकी भरे फोन आए थे। एक वकील ने दावा किया था कि अमेरिका में रहने वाली मान की बेटी सीरत कौर मान को खालिस्तानी समर्थक तत्वों ने कथित तौर पर फोन कर अपशब्द कहे थे। यह घटनाक्रम पंजाब में स्वयंभू सिख उपदेशक और वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह और उनके सहयोगियों पर कार्रवाई दौरान सामने आया था। सीएम मान की सुरक्षा टीम ने केंद्र को चिट्ठी लिखकर कहा है कि उन्हें पंजाब और दिल्ली में जेड प्लस सुरक्षा की जरूरत नहीं है। उनके लिए पंजाब और सीएम सुरक्षा की स्पेशल टीम ही काफी है। इस फैसले की वजह बताकर चिट्ठी में लिखा गया है कि पंजाब और दिल्ली में दो सुरक्षा चक्र होने के चलते समस्या हो सकती है। बीते 25 मई को ही केंद्र सरकार ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को जेड प्लस सुरक्षा मुहैया कराने का आदेश दिया था।

हत्या के आरोपी साहिल की हिरासत तीन दिन बढ़ाई

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने शाहबाद डेरी इलाके में एक किशोरी की निर्मम हत्या करने के आरोपी युवक की हिरासत की अवधि बृहस्पतिवार को तीन दिन के लिए बढ़ा दी। अदालत के सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा कारणों से आरोपी साहिल (20) को ड्यूटी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के आवास पर पेश किया गया। साहिल ने पिछले रविवार की शाम को उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में 16 वर्षीय साक्षी की चाकू से 20 से अधिक वार कर और फिर पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी थी। इस दौरान, पास से गुजर रहे राहगीर तमाशबीन बने रहे थे। पुलिस के मुताबिक, साक्षी के शरीर पर जख्म के 34 निशान थे और उसकी खोपड़ी भी टूट गई थी। गौरतलब है ?कि साहिल को सोमवार को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में उसकी बुआ के घर से गिरफ्तार कर दिल्ली लाया गया था। ड्यूटी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ज्योति नयन ने मंगलवार को पुलिस को साहिल को दो दिन तक हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अनुमति दी थी। पुलिस ने इस आधार पर साहिल की हिरासत बढ़ाने की मांग की थी कि वारदात में इस्तेमाल हथियार बरामद नहीं किया जा सका है और आरोपी बार-बार अपना बयान बदल रहा है।

लोकसभा चुनाव से पहले 10 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं की फौज तैयार करेगी बसपा

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बसपा ने अपनी रणनीति में फिर बदलाव किया है। पार्टी मुखिया और पूर्व सीएम मायावती के जन्मदिन पर शुरू किए गए कैडर बनाने के काम पर ब्रेक लगा दिया गया है। 2007 के बाद शुरू हुए कैडर कैंप के द्वारा बसपा दलित वोटों को लामबंद करने में जुटी थी। मगर, निकाय चुनाव परिणामों से मिले झटके बाद 'हाथी' को चुनावी युद्ध में उतारने से पहले पार्टी ने मजबूत सेना तैयार करने खाका खींचा है। नगर निकाय चुनाव में करारी हार के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने 18 मई को पदाधिकारियों संग समीक्षा बैठक की थी, इसमें मंडल प्रभारी, जिला अध्यक्ष, विधान सभा अध्यक्ष सहित तमाम पदाधिकारियों संग हार की समीक्षा की। इसके बाद वोट हमारा, राज तुम्हारा' का नया नारा देकर संगठन को धार देने के निर्देश दिए थे। लखनऊ मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी ने कहा कि अब जून से अगस्त तक सेक्टर से बूथ लेवल तक संगठन को मजबूत करने पर काम होगा। इस दौरान पार्टी 10 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं की फौज तैयार करेगी। राज्य में 1 लाख 74 हजार 359 बूथ हैं। बसपा का प्लान है हर बूथ पर 5 सदस्यों की कमेटी बनाना है। इसके द्वारा वह 8 लाख 71 हजार 795 कार्यकर्ताओं की फौज गठित करेगी। वहीं 10 बूथ पर एक सेक्टर कमेटी बनेगी। प्रदेश में करीब 17 हजार 435 सेक्टर कमेटी बनेंगी।

बिल्डर के दिवालिया होने पर भी होगी रजिस्ट्री

नई दिल्ली । केंद्र सरकार जल्द ही दिवालिया कानून में संशोधन करने जा रही है। पिछले वर्षों में रियल स्टेट के रेजिडेंशियल और कामर्शियल प्रोजेक्ट के बिल्डरों ने, अपने आपको दिवालिया घोषित कर दिया है। जिसके कारण लाखों निवेशक परेशान होकर घूम रहे हैं। बैंकों द्वारा भी रेजिडेंशियल और कमर्शियल लोन व्यक्तिगत स्तर पर दिया जाता है। दिवालिया होने की दशा में इनकी रजिस्ट्री रुक जाती है। उन्हें फ्लेट और स्पेस भी नहीं मिलता है। ब्याज उल्टा भरने पड़ता है। बैंकों का पैसा भी फस जाता है। वहीं निवेशक को भी भारी नुकसान उठाना पड़ता है। जिस फ्लैट के लिए उन्होंने कर्ज लिया था। वह भी नहीं मिला, जहां रहते हैं, वहां का किराया देना पड़ता है। जिससे लोगों में गुस्सा बढ़ रहा था। इस स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार जल्द ही नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल और रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी को कुछ अधिकार देने पर विचार कर रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिवालिया प्रोजेक्ट में जिन निवेशकों का पैसा लगा है। जिन्होंने रेजिडेंशियल एवं कमर्शियल प्रॉपर्टी में निवेश किया है। उनकी रजिस्ट्री के अधिकार संबंधित अथॉरिटी को दिए जाएं। होम बायर्स इन सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के तहत वित्तीय लेनदार भी है। ऐसे में अगर कोई बिल्डर दिवालिया हो जाता है। तो उसमें होमबायर्स का भी हिस्सा होता है। ऐसे मामलों में उनकी रजिस्ट्री करने के अधिकार दिए जाने पर केंद्र सरकार विचार कर रही है। ताकि बैंकों और छोटे निवेशकों को नुकसान से बचाया जा सके। वहीं रजिस्ट्री शुरू हो जाने से राज्य सरकार को राजस्व का नुकसान नहीं होगा।

अहमदनगर का नया नाम अहिल्यादेवी होलकर नगर होगा

अहमदनगर । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को अहमदनगर के नाम को बदलने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उप मुख्यमंत्री देवेंद्रफडणवीस और कार्यक्रम के आयोजकों ने नाम बदलने की मांग की थी। जिसे मुख्यमंत्री ने तुरंत स्वीकार कर लिया। अहमदनगर का नया नाम अहिल्यादेवी होलकर नगर होगा। बारामती स्थित मेडिकल कॉलेज का नाम भी बदलकर पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर के नाम की मंजूरी दी गई है। महाराष्ट्र का यह तीसरा शहर है। जिसका नाम बदला गया है।

जल्द होगी भारत और चीन के बीच 19वें दौर की सैन्य वार्ता

नई दिल्ली । भारत और चीन की हाल ही में यहां प्रत्यक्ष राजनयिक वार्ता हुई और इस दौरान पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध के अन्य बिंदुओं से सैनिकों के पीछे हटने के प्रस्ताव पर स्पष्ट और खुले तरीके से चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि शांति और सद्भाव की बहाली द्विपक्षीय संबंधों के लिए अनुकूल स्थिति तैयार करने में मदद करेगी और इस उद्देश्य के लिए दोनों पक्ष जल्द से जल्द अगले दौर की सैन्य वार्ता आयोजित करने पर सहमत हुए हैं। यह बैठक भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के कार्य तंत्र ढांचे (डब्ल्यूएमसीसी) के तहत हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा ?कि दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा के पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी पर हालात की समीक्षा की और बाकी क्षेत्रों से पीछे हटने के प्रस्ताव पर स्पष्ट और खुले रूप से चर्चा की। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों देशों 19वें दौर की वरिष्ठ कमांडर स्तर की बैठक जल्द आयोजित करने पर सहमत हैं। बयान में कहा गया कि दोनों पक्ष सैन्य और राजनयिक चैनल के जरिए लगातार चर्चा कर रहे हैं।

आरोप सिद्ध हुए तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा : बृजभूषण शरण सिंह

–पहलवानों के विरोध पर भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष ने कहा

बाराबंकी (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा है कि यदि उन पर लगाए गए आरोप सिद्ध होते हैं तो वे स्वयं ही फांसी पर लटक जाएंगे। बीजेपी सांसद गुरुवार को बाराबंकी पहुंचे। उन्होंने रामनगर विधान सभा क्षेत्र के महादेवा ऑडिटोरियम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने एक बार फिर पहलवानों के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि भगवान मुझसे कुछ बड़ा काम कराना चाहते हैं। इसलिए मुझपर ये आरोप लगा दिए गए। इतना ही नहीं बीजेपी सांसद ने कहा कि मेडल गंगा में बहा देने से मुझे फांसी नहीं होगी। उन्होंने फिर दोहराया कि मेरे खिलाफ एक भी आरोप सिद्ध हुआ तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि 'मैं बराबर पूछ रहा हूं कि ये सब कब हुआ, कहां हुआ और किसके साथ हुआ। चार महीने हो गए, मेरे ऊपर आरोप लगाए हुए, लेकिन एक भी सबूत मेरे खिलाफ नहीं दिया गया। मैं आज भी कह रहा हूं कि अगर एक भी आरोप सिद्ध हुआ तो खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। मैं इस पर आज भी कायम हूं।

बीजेपी सांसद बृजभूषण ने कहा कि ये पहलवान मेडल गंगा में बहाने चले गए, लेकिन गंगा में मेडल बहाने से बृजभूषण सिंह को फांसी नहीं होने वाली। ये सिर्फ इमोशनल ड्रामा है। अगर सबूत है तो पुलिस को दो और कोर्ट को दो, वहीं से मुझे फांसी मिलेगी। बृजभूषण सिंह ने तंज भरे लहजे में कहा कि कबीर दास ने कहा था 'ये कलयुग है कुछ भी हो सकता है, इसलिए मैं लड़ गया।' उन्होंने कहा कि मैं इन खिलाड़ी से बैर नहीं रखता, ये मेरे बच्चों की तरह हैं। इनकी कामयाबी में मेरा खून और पसीना लगा है। 10 दिन पहले तक यही सब मुझे कुश्ती का भगवान कहते थे। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल में जो टीम 20वें नंबर पर थी वही भारत की टीम अब टॉप 5 में आई। ओलंपिक के 7 मेडल में से से 5 मेडल मेरे कार्यकाल में आए, अब मुझे कुछ बड़ा काम करना है, इसलिए 5 जून को संतों का बड़ा कार्यक्रम है। उन्होंने आगे कहा कि पाप करने वाला ही पापी नहीं होता, जो मौन है वो भी भागीदार होता है। अगर राम को वनवास नहीं होता तो इतिहास कैसे बनता? इसका श्रेय कैकई और मंथरा को देना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि 5 जून को अयोध्या में होने वाली जन चेतना महारैली में ज्यादा से ज्यादा लोग पहुंचें। वहीं इस बीच यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग द्वारा भारतीय कुश्ती संघ को बर्खास्त करने की धमकी पर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि इसकी जिम्मेदारी उनकी नहीं, इसका जवाब सरकार देगी।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए पीएम मोदी को करेंगे आमंत्रित, ट्रस्ट का निर्णयं

अयोध्या। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पीएम मोदी को आमंत्रित किया जाएगा, इस आशय का निर्णय ट्रस्ट की बैठक में हुआ है। जानकारी के अनुसार श्रीराम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र ट्रस्ट का न्यासी बोर्ड सप्ताह भर चलने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित करेगा। इसी दौरान अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की मूर्ति स्थापित की जाएगी। जानकारी के मुताबिक सप्ताह भर चलने वाला समारोह जनवरी 2024 में मकर संक्रांति से या उसके एक दिन बाद शुरू होगा। ट्रस्ट प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए एक शुभ तिथि तय करने के लिए प्रसिद्ध ज्योतिषियों से परामर्श कर रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के मुताबिक, ट्रस्ट देशभर के मंदिरों में अयोध्या प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन भी करेगा। उन्होंन कहा कि हम पीएम मोदी को एक पत्र लिखेंगे और उनसे अयोध्या आने का अनुरोध करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि राम मंदिर के उद्घाटन के लिए तारीख की पुष्टि होनी बाकी है, इसलिए हम उन्हें लिखेंगे और उनसे दिसंबर-जनवरी 26 के बीच आने का अनुरोध करेंगे। चंपत राय ने कहा कि राजस्थान के सफेद मार्काना मार्बल का इस्तेमाल राम मंदिर के फर्श के लिए किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार जनवरी के पहले हफ्ते तक अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण पूरा करने की मंशा के तहत तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री अनेक स्थानों पर जाकर श्रद्धालुओं को आमंत्रित कर रहे हैं और निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि योगी सरकार की मंशा है कि जनवरी के प्रथम सप्ताह तक मंदिर निर्माण पूर्ण हो जाए और देश-दुनिया के पर्यटक यहां अपने आराध्य के दर्शन कर सकें।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश, हिंसा रोकने के लिए तेज कार्रवाई होनी चाहिए

इंफाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने निर्देश दिए हैं कि मणिपुर में हिंसा रोकने के लिए तेज कार्रवाई होनी चाहिए। गृहमंत्री ने बुधवार रात यहां एक उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की और सभी सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों को निर्देश देते हुए कहा कि वे हिंसा को रोकने के लिए सशस्त्र बदमाशों के खिलाफ कड़ी और तेजी से कार्रवाई करें और लूटे गए हथियारों को वापस लाने के प्रयास करें। शाह ने बुधवार को दो और हिंसा प्रभावित जिलों-तेंगनोपाल और कांगपोकपी का दौरा किया और विभिन्न नागरिक समाज संगठनों के नेताओं, प्रभावशाली नेताओं और सुरक्षा अधिकारियों के साथ शांति वार्ता की एक श्रृंखला आयोजित की। गृहमंत्री, जिन्हें बुधवार रात इम्फाल छोड़ना था, वह संघर्षग्रस्त राज्य में ही रुकेंगे और गुरुवार को नई दिल्ली लौट सकते हैं। राजभवन में उच्चस्तरीय बैठक में राज्यपाल अनुसुइया उइके, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय और शीर्ष पुलिस, अर्धसैनिक और सशस्त्र बल के अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। बाद में शाह ने इम्फाल, तेंगनोपाल और कांगपोकपी में विभिन्न राहत शिविरों का भी दौरा किया, जहां 3 मई को मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से मेइती, कुकी और अन्य समुदायों के लोग शरण लिए हुए हैं।

इस दौरान गृहमंत्री ने आश्वासन दिया कि पहाड़ी क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और चुराचांदपुर, मोरेह और कांगपोकपी में आपातकालीन जरूरतों के लिए हेलीकॉप्टर सेवा सुनिश्चित की जाएगी। गृहमंत्री ने ट्वीट किया, कांगपोकपी में एक राहत शिविर का दौरा किया और वहां कुकी समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की। हम जल्द से जल्द मणिपुर में शांति बहाल करने और उनके घरों में उनकी वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इम्फाल में, एक राहत शिविर का दौरा किया जहां मेइती समुदाय के सदस्य रह रहे हैं। हमारा संकल्प मणिपुर को एक बार फिर से शांति और सद्भाव के मार्ग पर वापस लाने और उनके जल्द से जल्द अपने घरों में लौटने पर केंद्रित है।

घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम, बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया

सांबा/जम्मू (एजेंसी)। सीमा की सुरक्षा में तैनात बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया है। इस तरह से बीएसएफ ने एक बार फिर अपनी सतर्कता दिखाते हुए पाकिस्तानी की ओर से भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बृहस्पतिवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना सांबा सेक्टर में मंगू चक सीमा चौकी (बीओपी) के पास देर रात करीब दो बजकर 50 मिनट पर हुई। जहां बीएसएफ के जवानों ने बीओपी मंगू चक में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध गतिविधियों को देखा और अग्रिम इलाके की ओर कुछ गोलियां चलाईं, जिसमें घुसपैठिया मारा गया। उन्होंने बताया कि शव अग्रिम इलाके में होने के कारण बीएसएफ ने सांबा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तलाश अभियान शुरू किया। बीएसएफ जम्मू के पीआरओ ने जानकारी देते हुए बताया कि के जवानों ने आज तड़के सांबा इलाके में पाकिस्तान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने वाले एक व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधि देखी। सैनिकों ने उसे ललकारा लेकिन घुसपैठिया सीमा पर बाड़ लगाने की ओर बढ़ता रहा। इसके बाद जवानों ने उस पर फायरिंग कर दी और उसे मार गिराया। इससे पहले बीते 22 अप्रैल को बीएसएफ के जवानों ने पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में बॉर्डर पार करने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा था। इससे पूर्व भी बीते मार्च के महीने में भी सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सेक्टर में पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया था। उसकी पहचान पाकिस्तान के खैबर जिले के निवासी के रूप में हुई थी।

विदेश में भी राहुल गांधी फैला रहे नफरत का बाजार : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेरिका में दिए गए बयान पर भाजपा ने निशाना साधा हे। राहुल ने अपने दौरे के दौरान भारतीय समुदाय को संबोधित करते मोदी सरकार पर तंज किया है। इसी को लेकर भाजपा की ओर से कहा गया कि राहुल गांधी नफरत का बाजार फैला रहे हैं। राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देने के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राहुल दुनिया में नफरत का बाजार फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के खिलाफ राहुल का नफरत का बाजार है। वह विदेश में देश को बदनाम करते हैं। राहुल का मोहब्बत का पैगाम बहाना है। भाजपा नेता ने दावा किया कि मोदी ने नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है।

विपक्षी एकजुटता पर जोर देते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यदि विपक्ष ठीक से एकजुट हो जाए तो केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराया जा सकता है। अपने संबोधन में गांधी ने भारत में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोगों को 'धमकाने' तथा देश की एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप भी लगाया। राहुल ने कहा था कि कुछ लोग भारत में ऐसे हैं जिनको लगता है कि वो सब कुछ जानते हैं, और वह भगवान से ज्यादा जानते हैं। राहुल ने तो यह भी कह दिया कि पीएम मोदी भगवान के साथ बैठ कर उनको समझा सकते हैं कि आखिर ब्रम्हांड कैसे काम करता है। उन्होंने केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों को डराने-धमकाने का भी आरोप लगाया।

सुलह की कोशिश के बीच पायलट ने गहलोत पर फिर किया हमला

नौजवानों को इंसाफ दिलाने की बात पर समझौता नहीं

टोंक (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने टोंक जिले के दौरे के दौरान फिर से सीएम अशोक गहलोत सरकार पर हमला किया है। सीएम गहलोत और पायलट में सुलह के दावे और दिल्ली में आलाकमान के साथ बैठक के बाद टोंक पहुंचे पायलट के बयान का सभी को इंतजार था। गहलोत-पायलट में सुलह के दावों के बीच पायलट ने कहा कि नौजवानों को इंसाफ दिलाने की बात पर समझौता संभव नहीं है। किसी भी कीमत पर भ्रष्टाचार को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस ने हमेशा नौजवानों को प्रोत्साहित कर राजनीति और अन्य क्षेत्रों में आगे आने का मौका दिया है। नौजवानों के साथ कुछ भी गलत होता है, तब पार्टी हमेशा खिलाफ रही है। इसके बाद भ्रष्टाचार और नौजवानों के भविष्य को लेकर समझौता संभव नहीं है। आलाकमान के साथ बैठक पर पायलट ने कहा कि दिल्ली में मैंने जो मांगे रखीं उसका संज्ञान पार्टी को है।

पायलट ने कर्नाटक नतीजों के बहाने बीजेपी पर निशाना साधकर कहा कि कर्नाटक में बीजेपी का जो हाल हुआ वह हम सभी ने देखा है। डबल इंजन के नाम पर झांसा देने वाली बीजेपी सरकार का इंजन सीज होना शुरू हो गया है। कर्नाटक में बीजेपी की भ्रष्ट सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने आरोप लगाए और हमारे आरोपों पर जनता ने मोहर लगा दी। राजस्थान बीजेपी विपक्ष की भूमिका निभाने में सक्षम नहीं है। साढ़े 4 साल में सदन के अंदर और सदन के बाहर बीजेपी ने मजबूत विपक्ष का प्रमाण नहीं दिया। प्रभावशाली विपक्ष लोकतंत्र की जरूरत है, लेकिन बीजेपी की आपसी खींचतान के कारण जनता बीजेपी से उम्मीद खो चुकी है। इसलिए प्रधानमंत्री बार-बार राजस्थान आकर उम्मीद जगा रहे हैं, लेकिन इससे पार पड़ने वाली नहीं है। लोगों की समस्याओं को सुनकर जरूरत के हिसाब से आगामी दिनों में सड़क, स्कूल, अस्पताल बनाने के लिए करोड़ों रुपए की घोषणाएं की हैं। टोंक शहर में युवा संवाद कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पायलट ने कहा कि नौजवानों के लिए बात नहीं रखूंगा, तब नौजवानों के मन से उम्मीद खत्म हो जाएगी। पेपर लीक और परीक्षा रद्द हमारी प्राथमिकता में नहीं तब हमारी प्राथमिकता में क्या है? किसी को समझना नहीं चाहिए की मैंने अपनी बात रखकर छोड़ दी है।

मई का महीना दिल्ली वासियों के लिए सबसे ठंडा रहा, फिर बारिश के आसार

नई दिल्ली(एजेंसी)। मई का महीना दिल्ली वासियों के लिए सबसे ठंडा महीना रहा है, यहां पिछले कई दिनों से लगातार बारिश होने के कारण गरमी ने अपना रौद्र रुप नहीं दिखाया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, गुरुवार को उत्तर-पश्चिम भारत में गरज के साथ बारिश होने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के दौरान बिहार और पश्चिम बंगाल में लू चलने की चेतावनी है। दिल्ली और बेंगलुरु के लिए आने वाले दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं कर्नाटक में 4 जून तक भारी बारिश होने की संभावना है और बेंगलुरु सहित आठ जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने यह भी कहा कि एक और पश्चिमी विक्षोभ के चलते आने वाले दिनों में दिल्ली सहित भारत के उत्तरी मैदानी इलाकों में तूफान और बारिश आने की संभावना है। राजधानी दिल्ली में बीते 36 साल में इस बार मई का महीना सबसे ठंडा रहा। आईएमडी ने बुधवार को बताया मई में सबसे ज्यादा बारिश होने के चलते औसत अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आईएमडी के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली में मई 1987 में औसत अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिल्ली में मई में केवल 9 दिन अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया और सिर्फ दो दिन शहर के कुछ हिस्सों में लू चली थी। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, 2008 में 165 मिमी, 2021 में 144.8 मिमी और 2002 में 129.3 मिमी के बाद यह इस महीने की चौथी सबसे बड़ी बारिश है। आईएमडी ने यह भी बताया कि बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई बारिश के बाद इस मानसून पूर्व अवधि में कुल 184.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है। आईएमडी ने 4 जून तक बेंगलुरु में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है और बेंगलुरु सहित आठ जिलों को येलो अलर्ट जारी किया गया है। एजेंसी ने उडुपी, बेलगावी, धारवाड़, गडग, हावेरी, कलबुर्गी, रायचूर, चामराजनगर, चिक्काबल्लापुर, तुमकुरु और विजयनगर जिलों में औसत बारिश की भी भविष्यवाणी की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com